किसान सेवा अपनाते हुए प्रदेश की मंडियों को बनाएं रॉल मॉडल - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
मंगलवार
16 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 173
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का दिल्ली में भव्य स्वागत, पार्टी मुख्यालय में संभाला पदभार

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का दिल्ली में भव्य स्वागत, पार्टी मुख्यालय में संभाला पदभार

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी के मुख्यालय में सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम के दौरान श्री नबीन ने कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार संभाला। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें कुर्सी पर बैठाकर शुभकामनाएं दीं और संगठन में उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान आत्मीय संवाद भी देखने को मिला, जिसे पार्टी के भीतर संगठनात्मक मजबूती का संकेत माना जा रहा है।

इसके पहले श्री नबीन के दिल्ली आगमन पर सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं वहां मौजूद थीं और उन्होंने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। एयरपोर्ट पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई, जो इस नियुक्ति को संगठन के लिए महत्वपूर्ण कदम बता रहे थे।

श्री नबीन के स्वागत में दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय तक उत्साह और उत्सव का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और नारेबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया। जगह-जगह श्री नबीन के स्वागत में बैनर पोस्टर लगे थे।

पार्टी मुख्यालय में इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी, सांसद, विधायक तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दीनदयाल मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय को फूलों और पार्टी झंडों से सजाया गया था।

कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और 'भाजपा जिंदाबाद' तथा 'नितिन नबीन आगे बढ़ो' जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

पदभार ग्रहण करने के बाद श्री नबीन ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक अनुशासित और विचारधारा आधारित संगठन है और उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में श्री नबीन की भूमिका संगठनात्मक समन्वय, आगामी चुनावी तैयारियों और राज्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने में अहम मानी जा रही है। आने वाले दिनों में वे विभिन्न प्रदेशों का दौरा कर पार्टी की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे।

मोटी-मोटी बातें

मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जॉर्डन पहुंचे

अम्मान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंच गये।हवाई अड्डे पर उनका जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

श्री मोदी के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिन की यात्रा पर आज सुबह नयी दिल्ली से रवाना हुए थे। उन्होंने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि तीनों देशों के साथ भारत के पुराने सभ्यतागत और व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध हैं और उनकी यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का प्रतीक होगी।

प्रधानमंत्री, जार्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन के निमंत्रण पर यहां आये हैं। वह उनसे और श्री हसन के साथ विस्तार से बातचीत करेंगे और उनकी क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय के साथ भी मुलाकात की उम्मीद है। श्री मोदी जॉर्डन में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे।

श्री मोदी, कल इथियोपिया की अपनी पहली यात्रा पर रवाना होंगे। वह इथियोपिया के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। इथियोपिया की राजधानी आदिस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। वर्ष 2023 में, भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी 20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। आदिस अबाबा में वह प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली से बातचीत करेंगे और वहां के भारतीय प्रवासियों से मिलेंगे। श्री मोदी इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे।

यात्रा के अंतिम चरण में श्री मोदी ओमान जाएंगे। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगी। वह ओमान के सुल्तान के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करेंगे। वह ओमान में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे।

लोकसभा में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक' पेश, जेपीसी को भेजने का निर्णय

नयी दिल्ली- लोकसभा में सरकार ने सोमवार को 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025' पेश किया जिसे विपक्षी सदस्यों के विरोध के बाद संसद की संयुक्त समिति-जेपीसी को भेजने का निर्णय लिया गया।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रताद तेन्नेटी से विधेयक पेश करने की अनुमति मांगते हुए कहा कि विधेयक को विश्वविद्यालयों तथा अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षण, सीखने, अनुसंधान तथा नवाचार में उत्कृष्टता लाने के मकसद से लाया गया है। इसके पारित होने से शिक्षण संस्थान ज्यादा प्रभावी होंगे और उच्च शिक्षा, अनुसंधान, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में मानकों के समन्वय तथा निर्धारण में आसानी होगी। विधेयक लाने का प्रयोजन विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान का गठन करने, विश्वविद्यालयों तथा अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्व-शासित और ज्यादा स्वतंत्र संस्थान बनाने की सुविधा प्रदान करना है और मान्यता, स्वायत्ततातथा पारदर्शी प्रणाली को बढावा देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।

आरएसपी के के प्रेमचंद्रन ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि दिक्कत विधेयक लाना नहीं है बल्कि ज्यादा दिक्कत यह है सरकार विधेयक के अध्ययन का समय ही नहीं दे रही है। उनका कहना था कि यह विधेयक कल रात सदस्यों को भेजा गया और इसे पढ़ने का समय नहीं दिया गया है। नियमानुसार विधेयक पर्याप्त समय पहले सदस्यों को दिया जाना चाहिए लेकिन विधेयक को पूरक कार्यसूची में शामिल किया जा रहा है।

इससे लगता है कि सरकार संसदीय परंपरा को खत्म करने में लगी है और विधेयक को जानबूझकर देरी से सदस्यों को भेज रही है ताकि कोई उसका अध्ययन नहीं कर पाये और सरकार का मनमानी करने का मकसद पूरा हो सके। उन्होंने विधेयक के नाम को लेकर भी आपत्ति जताई और कहा कि विधेयक को मंगलवार को पेश किया जाय ताकि इस बारे में ज्यादा अध्ययन कर इसे समझा जा सके।

कांग्रेस के मनीष तिवारी ने शिक्षा विधेयक का विरोध किया और कहा कि इसमें किये गये प्रावधान शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता के खिलाफ है। इससे संस्थानों की स्वायत्तता खत्म होने के साथ ही मनमानी को बढावा मिलेगा। यह विधेयक नियमों के अनुसार नहीं है।

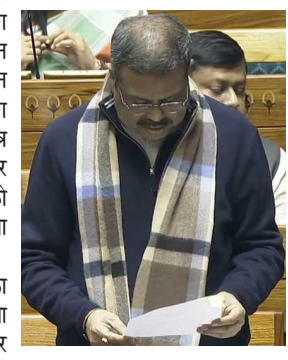

बीकेआई से जुड़े गैंगस्टर से आतंकवादी बने दो व्यक्तियों को मुंबई पहुंचने पर किया काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ छेड़ी मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के घनिष्ठ सहयोग से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े गैंगस्टर से आतंकवादी बने दो व्यक्तियों को मुंबई पहुंचने पर सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान साजन मसीह निवासी वेरोके, गुरदासपुर और सुखदेव कुमार उर्फ मनीष बेदी निवासी लाहौरी गेट, अमृतसर के रूप में हुई है। दोनों बड़े अपराधिक पृष्ठभूमि वाले आरोपी हैं और उनके खिलाफ बटाला और अमृतसर के विभिन्न थानों में हत्या, इरादतन कत्ल, हथियारों एवं विस्फोटक पदार्थों से संबंधित और गैर-कानूनी गतिविधियां (निवारण) एक्ट (यूएपीए) के तहत कई मामले दर्ज हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी पाकिस्तान आधारित आईएसआई-समर्थित हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और अमेरिका आधारित बीकेआई-ऑपरेटिव हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया (हिरासत में) के अहम साथी थे। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी दुबई और आर्मेनिया सहित विदेशी स्थानों से काम कर रहे थे और पंजाब में अपराधिक एवं आतंकवादी गतिविधियां अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। डीजीपी ने इसे पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता बताया।

हरियाणा के राज्यपाल ने सेक्टर-4 व रामगढ स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूलों का किया निरीक्षण

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)।हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सेक्टर-4 स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों द्वारा बच्चों को करवाए गए कार्य को स्वयं चैक किया और बच्चों से अध्यापकों के व्यवहार के बारे विस्तार से जानकारी ली। प्रो असीम घोष ने विद्यालय के प्रांगण को साफ सुथरा व सौंदर्यकरण के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 2 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

राज्यपाल ने इसके उपरांत स्कूल में मिड-डे-मिल व पेयजल की भी जांच की उन्होनें स्कूल में लड़के और लड़कियों के शौचालय को भी बारिकी से जांचा व छत पर चढकर पानी की निकासी व सीलन का भी निरीक्षण किया। राज्यपाल ने जिला शिक्षा अधिकारी को मिड-डे-मिल, पेयजल, शौचालय व छत को दुरूस्त करने के निर्देश दिए ताकि बच्चों को पोष्टिक खाना खिलाकर सुरक्षा व उनके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होनें कहा कि 1 लाख रुपये क्लास रूम के सौंदर्यकरण के लिए 50 हजार, शौचालय को दुरूस्त व पेयजल व ऑरो के लिए 50 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होनें बच्चों के अभिभावकों से अपील की कि वे निरीक्षण करें कि ये 2 लाख रुपये अच्छी तरीके से शौचालय, पेयजल व्यवस्था व क्लास रूम पर ही खर्च किए है या नहीं। यदि कोई त्रुटि लगे तो अभिभावक सीधे राज्यपाल भवन में पत्रव्यवहार के माध्यम से या स्वयं आकर उनसे इसका फीडबैक दें सकते है।

हरियाणा के राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने इस अवसर पर बच्चों से प्रश्न भी पूछे और उनका उचित उत्तर पाकर बच्चों को चॉकलेट भी वितरित की। स्कूल के प्रांगण में प्रो. असीम घोष ने जिन बच्चों का जन्म दिन दिसंबर माह में आता है, उन बच्चों का केक काटकर व बच्चों को केक खिलाकर जन्म दिवस मनाया। बालिकाओं ने भी राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नी को केक खिलाकर उनके साथ अपने जन्म दिवस की खुशियां मनाई।

हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन': 797 ठिकानों पर दबिश

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ राज्यव्यापी मुहिम को और धार देते हुए 14 दिसंबर को 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' का एक और सघन चरण चलाया। इस विशेष कार्रवाई में राज्यभर में कुल 797 चिन्हित ठिकानों पर दबिश दी गई, 68 एफआईआर दर्ज की गईं और 127 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। राज्यभर में एक साथ की गई इस कार्रवाई में पुलिस की विभिन्न इकाइयों ने गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला सहित सभी जिलों में संवेदनशील स्थानों पर अचानक छापेमारी और कॉम्बिंग की। एक दिवसीय इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने नशा, अवैध शराब तस्करी और जुए जैसी गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ 58 मामले दर्ज किए, जबकि अवैध हथियार रखने के 10 मामले अलग से बनाए गए। कुल मिलाकर 90 आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया गया।

पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक, कमिश्नर, अधीक्षक सुरक्षा सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने की स्मार्ट, पारदर्शी और जनकेंद्रित पुलिसिंग की अपील

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराध पर नियंत्रण तक सीमित नही है बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा, भरोसे और न्याय का विश्वास पैदा करना भी है। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

वे आज पंचकूला में 'विकसित भारत-सुरक्षा आयाम' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय सुरक्षा सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे जिसमें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों, कमिश्नरों, पुलिस अधीक्षकों, भारत सरकार के प्रतिनिधियों सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का यह स्पष्ट विश्वास है कि विकास की गति तभी निरंतर हो सकती है जब राज्य की कानून व्यवस्था मजबूत और निष्पक्ष हो। निवेश, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास की हर बड़ी पहल की सफलता सीधे तौर पर पुलिस की दक्षता, ईमानदारी और पेशेवर क्षमता से जुड़ी है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को हरियाणा पुलिस के नेतृत्वकर्ता बताते हुए कहा कि आप केवल कानून के संरक्षक नही है, राज्य में सुशासन, सामाजिक स्थिरता की मजबूत आधारशिला भी है। इस अवसर पर उन्होंने फील्ड में दिन रात काम कर रहे हरियाणा पुलिस के प्रत्येक जवान तथा अधिकारी के साहस , समर्पण और अनुशासन की सराहना भी की।

उन्होंने कहा कि गत नवंबर माह में रायपुर में आयोजित पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया। उस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'विकसित भारत-सुरक्षा आयाम' था। उन्होंने कहा कि उस सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा रखे गए विचार हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। वे राज्य स्तर पर पुलिस रणनीति को नई दिशा देने वाले हैं। ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोहों, नशा तस्करों व साइबर अपराध के खिलाफ सफलता प्राप्त की है। ऑपरेशन हॉटस्पोट डोमिनेशन में 12 दिनों में 2 हजार से अधिक अपराधी गिरफ्तार किये गये। इसी प्रकार, ऑपरेशन ट्रेक टाउन से अपराधियों में खौफ है। इस ऑपरेशन में 23 दिनों में 7 हजार 587 अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। साथ ही 168 करोड़ रुपये की अवैध सम्पत्ति जब्त की। श्री सैनी ने कहा कि वर्तमान का समय तकनीक का है और समय के साथ साथ हमारा एडवांस तकनीक से अपडेट रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश में अपराध की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए भी आवश्यक हिदायतें दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब भी कोई घटनाक्रम होता है तो व्यक्ति की अपेक्षा होती है कि उसे न्याय मिले और हमें इस विश्वास को कायम रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्ति को लेकर समाज में ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। नशे को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के साथ साथ लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत है इसके लिए सरकार द्वारा समय- समय पर नशामुक्ति अभियान के तहत साइक्लोथोन, मैराथन तथा अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते है।

यूएई में डिलीवरी राइडर्स सहित वेयरहाउस हेल्पर्स व पिकर्स की भर्ती हेतु 16 दिसंबर को आईटीआई दाड़ी में साक्षात्कार

कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार विशेष रूप से रहेंगे उपस्थित

धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में डिलीवरी राइडर्स और वेयरहाउस हेल्पर्स एवं पिकर्स की भर्ती की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए 16 दिसंबर को आईटीआई दाड़ी में साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में आवेदन किया है, उनके साथ-साथ नए इच्छुक अभ्यर्थी भी साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। अब तक डिलीवरी राइडर्स के पदों के लिए 270 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को मासिक वेतन के अतिरिक्त कमीशन व टिप्स की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे कुल आय 70 हजार से 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक हो सकती है। कार्य अवधि सप्ताह में 6 दिन तथा प्रतिदिन 10 घंटे की शिफ्ट निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकते हैं। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है तथा बेसिक इंग्लिश का ज्ञान आवश्यक है। फ्रेशर व अनुभवी दोनों ही आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा 20 से 37 वर्ष रखी गई है। वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। आवेदक के पास गियर वाली मोटरसाइकिल का कम से कम एक वर्ष का वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए। यूएई ड्राइविंग लाइसेंस नियुक्ति के बाद प्रदान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैध पासपोर्ट के बिना किसी भी अभ्यर्थी को भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा अनुमोदित 35,400 रुपये (जीएसटी सहित) तथा 1500 रुपये चिकित्सा शुल्क का भुगतान करना होगा।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि कॉमर्स एवं फूड डिलीवरी की कंपनी नून, दुबई द्वारा वेयरहाउस हेल्पर्स एवं पिकर्स के पद भी भरे जाने प्रस्तावित हैं। इन पदों के लिए भी 16 दिसंबर को ही साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल दस्तावेजों एवं वैध पासपोर्ट सहित साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। इन पदों पर चयनित उम्मीदवारों को 33,500 रुपये मासिक वेतन के साथ आवास अथवा परिवहन सुविधा प्रदान की जाएगी। इन पदों के लिए 21 से 36 वर्ष आयु वर्ग के युवा आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने पात्र एवं इच्छुक युवाओं से निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया।

मेरा युवा भारत कांगड़ा की पहल, युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

37 युवा प्रतिभागी लेंगे अंतर जिला आदान–प्रदान कार्यक्रम में भाग

धर्मशाला। मेरा युवा भारत कांगड़ा के उप निदेशक ध्रुव डोगरा ने आज जानकारी देते हुए बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, मेरा युवा भारत काँगड़ा द्वारा पांच दिवसीय अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन 18 से 22 दिसम्बर 2025 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्र छेब काँगड़ा में किया जा रहा है। इस युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए जिला सिरमौर के 37 प्रतिभागी जिला काँगड़ा की संस्कृति को जानने के लिए हिस्सा लेंगे। युवा प्रतिभागियों को जिला काँगड़ा के विभिन्न प्रमुख पर्यटन स्थलों में शैक्षिक एवं अनुभवात्मक अध्यन हेतु भी ले जाया जाएगा। कार्यक्रम में युवा प्रतिभागियों को क्लास रूम टेऊनिंग के द्वारा विभिन्न मुद्दो जैसे कि साइबर सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता एवं स्वरोजगार पर विभिन्न अधिकारियों द्वारा जानकारी भी दी जाएगी। इसी कड़ी में काँगड़ा के 37 प्रतिभागी जिला सिरमौर में जनवरी माह में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा युवाओं में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना जगाने हेतु एवं माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य हेतु यह कार्यक्रम प्रत्येक राज्य में हर वर्ष मंत्रालय द्वारा करवाए जाते हैं।

राज्यपाल ने बच्चों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक करने के लिए 'क्रासिंग्स' फिल्म की सराहना की

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन में 'क्रासिंग्स' फिल्म देखने के उपरांत बच्चों में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए इस फिल्म की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित फिल्म निर्माता विवेक मोहन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस फिल्म के माध्यम से एक संवेदनशील और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया गया है। फिल्म पर्यावरण संरक्षण पर आधारित है और यह दर्शाती है कि मानव गतिविधियों के कारण किस तरह प्राकृतिक आपदाएं आती हैं।

विवेक मोहन ने बताया कि 'क्रासिंग्स' दो वास्तविक घटनाओं से प्रेरित एक लघु फिल्म है। यह फिल्म ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनकी पहले की फिल्म 'फॉर हूम द जिंगल बेल्स टोल' में दिए गए संदेश को आगे बढ़ाती है। फिल्म में दर्शाया गया है कि पृथ्वी हमें अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। राज्यपाल ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की रचनात्मक पहलें, सभी लोगों, विशेषकर बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने में, बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक संपदा से भरपूर राज्य है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि 'क्रासिंग्स' जैसी फिल्में पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ाने में सार्थक योगदान देती हैं और प्रशंसा के योग्य हैं।

युवाओं को नशे के अंधकार से बचाने के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित : मनमोहन शर्मा

मादक पदार्थ चिट्टा गतिविधियों वाली चिन्हित नगर परिषद, नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायतों में बैठक आयोजित

सोलन। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ज़िला प्रशासन द्वारा मादक पदार्थ चिट्टे के विरूद्ध 'चिट्टा मुक्त सोलन' अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 15 अक्तूबर, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक विस्तृत गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज सोलन ज़िला की मादक पदार्थ चिट्टा गतिविधियों वाली चिन्हित ग्राम पंचायत में नशा निवारण समितियों के साथ बैठकें आयोजित की गई। यह जानकारी आज यहां उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला सोलन को चिट्टा मुक्त बनाने के लिए नशे में संलिप्त युवाओं की पहचान करना तथा उनका पुनर्वास सुनिश्चित बनाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने आम जन से आग्रह किया युवाओं को नशे के अंधकार से बचाने के लिए प्रशासन को अपना सहयोग दें ताकि ज़िला को चिट्टा मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य मादक पदार्थों के कारोबारियों पर रोक लगाना है। ज़िला सोलन को चिट्टा मुक्त बनाने के लिए कारोबारियों की चैन को तोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उपमण्डल स्तर पर नशा निवारण समितियां गठित की गई है ताकि नशा करोबारियों पर अंकुश लगाया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि आज इसी संदर्भ में मादक पदार्थ चिट्टा गतिविधियों वाली चिन्हित नगर परिषद, नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायतों में गठित नशा निवारण समितियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें आज नगर परिषद परवाणु, नालागढ़ और बद्दी, नगर पंचायत कण्डाघाट, ग्राम पंचायत वाकनाघाट, जाबली, धर्मपुर, चेवा, टकसाल, नाभ-कोटी, भटोलीकलां, गोल-जमाला, कृपालपुर, गुल्लरवाला, कोइडी, मंझोली, प्लासीकलां, रडयाली, राजपुरा, बग्लेहर, पंजैहरा, ब्रुना, दभोटा, मानपुरा, लोदी माजरा, डेला, किशनपुरा, खेड़ा, सनैड, थाना, मलपुर, संडोली, मंधाला तथा बरोटीवाला में उपमण्डलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा गठित समिति के सदस्यों द्वारा चिट्टा मुक्त अभियान विषय पर बैठक आयोजित की गई।

अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने आज ग्राम पंचायत बसाल में 'चिट्टा मुक्त प्रदेश अभियान' के अंतर्गत गठित समिति के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। राहुल जैन ने समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि वह अभियान के दौरान जन जागरूकता, उपचार एवं पुनर्वास के साथ-साथ ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों एवं परिवारों की पहचान करें, जो चिट्टे के सेवन अथवा कारोबार में संलिप्त हैं।

लिंग आधारित भेदभाव को केवल शिक्षा से ही किया जा सकता पूर्णतया समाप्त : राहुल जैन

महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित

सोलन। अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने कहा कि नई चेतना 4.0 राष्ट्रीय लैंगिक अभियान एक ज़मीनी स्तर पर लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए चलाया गया एक राष्ट्रीय अभियान है। इसमें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राहुल जैन आज यहां राष्ट्रीय लैंगिक अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राहुल जैन ने कहा कि यह अभियान समाज में लैंगिक असमानता को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं का सुरक्षित आवागमन और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे अथक प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ज़िला प्रशासन यह सुनिश्चित बना रहा है कि ज़िला में महिलाएं अपने अधिकारों एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा, महिलाएं जितनी ज्यादा शिक्षित होगी सामाजिक असमानता उतनी कम होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षित महिला ही लैंगिक हिंसा को रोकने में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित भेदभाव को केवल शिक्षा से ही पूर्णतया समाप्त किया जा सकता है। राहुल जैन ने इस अवसर पर विश्व महिला हिंसा उन्मूलन विषय पर शपथ भी दिलाई।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग से डॉ. शालिनी पुरी ने स्वास्थ्य संबंधी तथा ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण के उप प्रमुख एस.एल. कश्यप ने विधिक प्राधिकरण के सौजन्य से महिलाओं के कल्याण के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। समेकित बाल विकास परियोजना अधिकारी कविता गौतम ने बेटी है अनमोल योजना तथा बाल विवाह मुक्त अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान स्वयं सहायता समूह की सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लैंगिक अभियान के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।खण्ड विकास अधिकारी सोलन रमेश शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा लैंगिक अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की सदस्यों ने शिविर में भाग लिया।

बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड ने 3,835 लाभार्थियों में बांटे 14.17 करोड़

शिमला। हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर ने आज यहां बोर्ड की 53वीं निदेशक मंडल बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि बोर्ड द्वारा अब तक 3,835 लाभार्थियों में 14.17 करोड़ रुपये की सहायता वितरित की गई है, जिनमें से 9.28 करोड़ रुपये शिक्षा सहायता योजनाओं के तहत आवंटित किए गए हैं। बैठक के दौरान निदेशक मंडल ने ज़िला मंडी के बलद्वाड़ा (भांबला) में नए उप-कार्यालय स्थापित करने को मंज़ूरी प्रदान की। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक खातों को मंज़ूरी प्रदान की गई तथा दावों की लंबितता को स्पष्ट करने पर चर्चा हुई। उन्होंने श्रमिकों के क्लेम फॉर्म और ई-केवाईसी की प्रक्रिया को तेज़ करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कामगारों को समय पर लाभ सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए ताकि लंबित दावों को शीघ्रता से निपटाया जा सके। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को बिना देरी सहायता मिल सके। अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को उनके उपयोगी सुझावों और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। नरदेव सिंह कंवर ने कहा कि प्रदेश भर में निर्माण कामगारों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और उत्थान के प्रति बोर्ड की मजबूत प्रतिबद्धता के चलते अब सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का भरपूर लाभ मिल रहा है। बैठक में बोर्ड के गैर-आधिकारिक सदस्य रविंद्र सिंह रवि, भूपेंद्र सिंह, जे.सी. चौहान और प्रदीप कुमार तथा विशेष सचिव (वित्त) विजय वर्धन, सचिव-कम-सीईओ राजीव कुमार तथा अतिरिक्त सचिव (विधि) आर.एस. तोमर भी उपस्थित थे।

शाहपुर विधानसभा में सड़कों के निर्माण को मिली गति, कई परियोजनाएँ प्रगति पर : केवल सिंह पठानिया

मुख्यमंत्री से मिले पठानिया, जताया आभार

धर्मशाला। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने बताया कि सड़कों के निर्माण को लेकर वह मुख्यमंत्री महोदय से मिले तथा आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। केवल सिंह पठानिया ने बताया कि रैत से कोहला सड़क पर लगभग 7.35 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जा रही है। इसके साथ ही दियाडा गांव के लिए 1 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही संपर्क सड़क का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

उन्होंने बताया कि चानोघाट-लांघा-पलोथा-सुक्कुघाट सड़क तथा डिब्बर-कपाड़-लाहड़ सड़क का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त घेराङ्कबर्नेट सड़क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसका अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को

सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क नेटवर्क को मजबूत कर लोगों को बेहतर यातायात सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल निकेतन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

छह माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली के द्वारका स्थित हिमाचल निकेतन का दौरा कर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 145 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस भवन में 107 कमरे,

रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, मल्टीपर्पज हॉल, मीटिंग हॉल, डॉर्मिटरी, पार्किंग, गार्डन, ईवी चार्जिंग स्टेशन सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी। उन्होंने कहा कि यह भवन उपचार, शिक्षा एवं अन्य कार्यों से राष्ट्रीय राजधानी आने वाले हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा तथा लोगों को इस भवन में उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस भवन का निर्माण कार्य छह माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों की आवश्यकताओं के प्रति सदैव संवेदनशील रही है और लोगों को प्रदेश के बाहर हर संभव सुविधाएं सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी और मरीज दिल्ली आते हैं और यह भवन उन्हें सुविधाजनक एवं आरामदायक आवास उपलब्ध कराएगा। प्रधान सचिव लोक निर्माण विभाग देवेश कुमार ने मुख्यमंत्री को परियोजना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार, प्रमुख आवासीय आयुक्त अजय यादव, मुख्यमंत्री के ओएसडी कर्नल (सेवानिवृत्त) के.एस. बांश्टू तथा लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रदेश की 234 पंचायतों में नशा निवारण समितियों की बैठक आयोजित

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के सशक्त नेतृत्व में नशा-मुक्त हिमाचल के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज प्रदेश की 234 अत्यधिक नशा-प्रभावित पंचायतों में नशा निवारण समितियों की समकालिक बैठकें आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य पंचायत स्तर पर सामुदायिक सहभागिता को सशक्त बनाना, स्थानीय वास्तविकताओं का आकलन करना तथा नशे के विरुद्ध प्रभावी रोकथाम तंत्र को सक्रिय करना है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इन बैठकों का आयोजन 2 दिसंबर को धर्मशाला में हुई 6वीं राज्य-स्तरीय छब्व्क् बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालना में किया गया। नशे के विरुद्ध यह लड़ाई केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राज्य-व्यापी जन-आंदोलन के रूप में लड़ी जानी चाहिए और इसके

लिए नशा निवारण समितियों को पुनः सक्रिय एवं परिणामोन्मुख बनाना अनिवार्य है। इन बैठकों का प्रमुख उद्देश्य नशा निवारण समितियों का पुनर्गठन एवं पुनर्सक्रियकरण, स्थानीय स्तर पर नशे की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा, संवेदनशील क्षेत्रों एवं हॉटस्पॉट की पहचान, पुलिस-स्वास्थ्य-शिक्षा एवं अन्य विभागों के समन्वय से ठोस एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार करना तथा जन-सहभागिता, विशेषकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए नियमित मॉनिटरिंग की प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है।

बैठकों में नशा तस्करी से संबंधित स्थानीय सूचनाओं की समीक्षा की गई। समुदाय-आधारित जागरूकता अभियानों की रूपरेखा तैयार की गई तथा आगामी रोकथाम एवं प्रवर्तन रणनीतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इन प्रयासों के माध्यम से पंचायत स्तर पर नशा-निवारण अभियान को और अधिक प्रभावी तथा समाज को इस अभियान का सक्रिय सहभागी बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई अपील को दोहराते हुए नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया है कि चिट्टा/नशे से संबंधित किसी भी सूचना को तुरंत 112 या निकटतम पुलिस थाना में साझा करें। सूचनादाता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

आदेश वही दिए जा सकते हैं, जिनका पालन संभव हो: सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण चरम पर पहुंच चुका है। जहरीली हवा का मुद्दा सोमवार को सर्वोच्च अदालत में भी उठा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर 17 दिसंबर को सुनवाई होगी। अदालत को बताया गया कि आदेशों के बावजूद स्कूलों पर खेल गतिविधियां हो रही हैं। वहीं, चीफ जस्टिस ने गरीबों पर होने वाले असर पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आदेश वही दिए जा सकते हैं, जिनका पालन संभव हो।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली ने न्याय मित्र की भूमिका निभा रहीं वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि एहतियाती कदम पहले से मौजूद हैं, लेकिन असली मुद्दा उनका खराब अनुपालन है। सिंह ने कहा कि जब तक यह अदालत आदेश नहीं देती है, अथॉरिटीज की ओर से उन प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जाता है जो पहले मौजूद हैं। चीफ जस्टिस ने कहा, यह तीन जजों की बेंच के सामने बुधवार को आएगा। इस पर बात होगी। एक अन्य वकील ने बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी याचिका का जिक्र करते हुए कहा कि पुराने आदेश के बावजूद स्कूलों में खेल गतिविधियां चल रही हैं। न्याय मित्र ने कहा, इस अदालत के आदेश के बावजूद स्कूलों ने खेल गतिविधियों के लिए तरीके निकाल लिए हैं, इनका आयोजन हो रहा है। छ्त्तरूएक बार फिर इस कोर्ट के आदेश का उल्लेख कर रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा, 'सीजेआई ने कहा, 'हम समस्या को जानते हैं और हम ऐसे आदेश पारित करेंगे जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। इन शहरी महानगरों में लोगों की अपनी जीवनशैली होती है। लेकिन गरीबों का क्या होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

मीत हेयर ने संसद में आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों को मिलने वाले बेहद कम मानदेय को बढ़ाने का मुद्दा उठाया

हिन्द जनपथ
नई दिल्ली/चंडीगढ़- संगरूर से आम आदमी पार्टी के लोकसभा सदस्य गुरमीत सिंह मीत हेयर ने संसद में सप्लीमेंट्री मांगों पर चर्चा के दौरान कई ज्वलंत मुद्दे उठाए और अनुदान की मांग की।

मीत हेयर ने आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों को स्थायी करने के साथ-साथ उन्हें मिलने वाले बेहद कम मानदेय को बढ़ाने, पंजाब को बाढ़ के लिए घोषित 1600 करोड़ रुपये के पैकेज के साथ वास्तविक नुकसान की भरपाई के लिए 20 हजार करोड़ रुपये देने की मांग उठाई। जनगणना न होने के कारण बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नए राशन कार्ड तुरंत बनाने की भी मांग की। खेलों में जारी होने वाले अनुदानों में राज्यों के खेल प्रदर्शन को आधार बनाने की बात कही।

मीत हेयर ने विकसित भारत के मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि भुखमरी सूचकांक में भारत 123 देशों में से 102वें स्थान पर है। बच्चों के पालन-पोषण में आंगनवाड़ी वर्कर सबसे अहम भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनका शोषण किया जाता है। केंद्र सरकार की ओर से वर्कर को मात्र 4500 रुपये और हेल्पर को 2250 रुपये दिए जाते हैं। सरकार उनके मानदेय बढ़ाकर स्थायी वेतन निर्धारित करे और उन्हें नियमित करे।

आम आदमी पार्टी के सांसद ने पंजाब में आई भीषण बाढ़ का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब को करीब 20 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये के बाढ़ पैकेज की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक कुछ भी नहीं मिला। केंद्र सरकार बाढ़ के घोषित पैकेज के साथ 20 हजार करोड़ रुपये तुरंत जारी करे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए राशन कार्डों की कम संख्या का मुद्दा उठाते हुए मीत हेयर ने कहा कि कोविड के कारण 2021 में जनगणना नहीं हो सकी और आने वाले समय में भी इसकी कोई संभावना नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार पंजाब में 14145000 राशन कार्ड बने हैं, जबकि आबादी में हुई वृद्धि को देखते हुए गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की संख्या भी बढ़ गई है। इसलिए पंजाब में राशन कार्डों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

खेल अनुदानों में पंजाब के साथ हो रहे भेदभाव का मुद्दा उठाते हुए मीत हेयर ने कहा कि खेलो इंडिया की ग्रांटों में पंजाब को नजरअंदाज किया गया, जबकि 2024 में गुजरात को करोड़ों रुपये दिए गए। 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में गुजरात ने कोई पदक नहीं जीता, जबकि पंजाब के 8 खिलाड़ियों ने हॉकी में पदक जीता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसारपुर जैसे गांव भी हैं, जहां से एक ही गांव ने कई पदक विजेता खिलाड़ी पैदा किए हैं। उन्होंने मांग की कि खेलों में अनुदान राज्यों को उनके खेल प्रदर्शन के अनुसार दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने इस बार सप्लीमेंट्री ग्रांटों में खेलों के लिए कोई मांग नहीं की।

पंजाब सरकार द्वारा आई.आई.टी रोपड़ के सहयोग से महत्वपूर्ण जल अध्ययन के लिए 1.61 करोड़ रुपये की मंजूरी: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के पानी की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां जल संसाधनों और सीपेज के पैटर्नों के बारे में 1.61 करोड़ रुपये के सूक्ष्म-स्तरीय अध्ययन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी की घोषणा की। यह अध्ययन, जो पंजाब राज्य किसान एवं खेत मजदूर कमीशन (पी.एस.एफ.एफ.डब्ल्यू.सी) द्वारा आई.आई.टी रोपड़ के सहयोग से किया जाएगा, प्रदेश के भूगर्भ जल स्तरों के प्रबंधन के लिए प्रभावी समाधान विकसित करने में सहायता करेगा।

इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि एक कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, पंजाब को पानी की उपलब्धता और इसके टिकाऊ उपयोग से संबंधित गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश के कृषि युग के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि पी.एस.एफ.एफ.डब्ल्यू.सी द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (एन.आई.एच), रुड़की के सहयोग से किए गए प्रारंभिक मैक्रो-स्तरीय अध्ययन को कृषि सुधारों पर पंजाब विधान सभा कमेटी द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकार करने के बाद एक और अधिक विस्तृत सूक्ष्म-स्तरीय अध्ययन का निर्णय लिया गया।

इस अध्ययन की वैज्ञानिक गहराई के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सूक्ष्म-स्तरीय अध्ययन में कार्बन डेटिंग और भूगर्भ तथा पानी के भंडारों के आइसोटोप विश्लेषण के साथ-साथ प्रदेश भर में सीपेज के नमूनों की व्यापक जांच सहित उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इस अध्ययन के उद्देश्यों में कई महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं, जिनमें हर प्रकार के उपलब्ध जल संसाधनों का ब्यौरा, नीतिगत निर्णयों के लिए एक्विफरों की विशेषता बताना, हेलीकॉप्टर के माध्यम से आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर जल संसाधनों का सर्वेक्षण, वैकल्पिक जल संसाधनों की खोज करना, और सीपेज दरों को निर्धारित करने के लिए सूक्ष्म-स्तरीय अध्ययन करना शामिल है।

न्यूज डायरी

जंगली जीवों के अंगों की तस्करी करते तीन आरोपी गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब में जंगली जीवों की सुरक्षा तथा उनसे जुड़े अपराधों पर रोक लगाने के उद्देश्य से, मुख्य वन्यजीव वार्डन पंजाब श्री बसंता राज कुमार आई.एफ.एस., श्री सतिंदर कुमार सागर आई.एफ.एस. (मुख्य वन संरक्षक – वन्यजीव) तथा श्री विशाल चौहान आई.एफ.एस. (वन संरक्षक, पार्क एवं प्रोटेक्टेड सर्कल) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और वन्यजीव अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत, वन मंडल अधिकारी वन्यजीव मंडल फिल्लौर श्री विक्रम सिंह कुंदरा आई.एफ.एस. के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर जंगली जीवों के अंगों की तस्करी के संबंध में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व श्री जसवंत सिंह, वन रेंज अधिकारी जालंधर ने किया।

टीम में जालंधर रेंज से निर्मलजीत सिंह ब्लॉक अधिकारी, मलकीत सिंह वन गार्ड, नवतेज सिंह बाठ तथा कपूरथला रेंज से रणजीत सिंह ब्लॉक अधिकारी, बोबिंदर सिंह और रणबीर सिंह उप्पल शामिल थे।

टीम द्वारा नकोदर में एक जाल बिछाया गया, जिसमें टीम के एक सदस्य ने ग्राहक बनकर तस्कर से सौदा तय किया। मौके पर बोनी अरोड़ा पुत्र भारत भूषण, निवासी नकोदर, डिलीवरी देने पहुंचा, जिसे टीम ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से जंगली जीव सांभर के दो कटे हुए सींगों के टुकड़े, हथ्थां-जोड़ी के 6 टुकड़े तथा जंगली बिल्ली की ज़ेर बरामद की गई।

पूछताछ के दौरान बोनी अरोड़ा ने बताया कि यह सामान उसे शिवम गुप्ता पुत्र गुलशन राय, निवासी नकोदर, जो "दुर्गा दास पंसारी" नामक दुकान चलाता है, द्वारा भेजा गया था। टीम ने तुरंत शिवम गुप्ता की दुकान पर छापा मारकर पूछताछ की, जिसमें उसने स्वीकार किया कि वह जंगली जीवों के अंगों का अवैध कारोबार करता है और यही सामान उसने बोनी अरोड़ा को डिलीवरी के लिए भेजा था। उसने आगे बताया कि यह सामान वह दीपक उर्फ काला पुत्र विजय कुमार गुप्ता, निवासी नकोदर, जिला जालंधर से खरीदता है, जो नकोदर में "वलैती राम पंसारी एवं किराना स्टोर" चलाता है।

टीम ने तुरंत दीपक उर्फ काला की दुकान पर छापा मारा, जहां से जंगली जीव सांभर के दो कटे हुए टुकड़े और एक हथ्थां-जोड़ी बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान दीपक उर्फ काला ने स्वीकार किया कि उसी ने यह सामान शिवम गुप्ता को सप्लाई किया था।

'युद्ध नशों विरूद्ध' के 289वें दिन पंजाब पुलिस ने 4.5 किलो हेरोइन और 3.9 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित 11 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चलाए जा रहे 'युद्ध नशों विरूद्ध' के 289वें दिन आज पंजाब पुलिस ने 132 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 7 एफआईआर दर्ज कर 11 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 289 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 40,236 हो गई है।

छापेमारी के परिणामस्वरूप गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4.5 किलो हेरोइन और 3.9 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशों के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन भी किया है।

इस ऑपरेशन के दौरान 32 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 500 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 80 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 132 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि दिन भर चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 142 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति-इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी)- लागू की है। इसी रणनीति के तहत आज पंजाब पुलिस ने 5 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राज़ी किया है।

पंजाब के स्कूलों को मिल रही धमकियों की हो एनआईए जांच : तरुण चुग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब में स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच फैले भय और दहशत के माहौल पर कड़ी आपत्ति जताई, चुग ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की नालायकी के कारण आज यह स्थिति पंजाब में हुई है।

एनआईए से जांच की मांग करते हुए चुग ने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि पंजाब के बच्चों और उनके माता-पिता को डराने के लिए रची गई एक सोची-समझी साज़िश प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

चुग ने सवाल उठाया कि क्या भगवंत मान सरकार अनजाने में आईएसआई जैसी ताक़तों के इशारों पर खेल रही है या फिर वह पंजाब में सक्रिय अराजक तत्वों पर लगाम लगाने में पूरी तरह विफल हो चुकी है।

चुग ने कहा कि पंजाब का बच्चा-बच्चा जानता है कि गैंगस्टर और माफिया बेखौफ होकर खुलेआम घूम रहे हैं। आए दिन गोलियां चलना और व्यापारियों व आम लोगों को धमकी भरे फिरौती कॉल आना अब सामान्य बात बन चुकी है, जिससे पूरे समाज में डर और असुरक्षा का माहौल है।

उन्होंने कहा कि यह और भी चिंताजनक है कि अब स्कूली बच्चों को दहशत और आतंक का शिकार बनाया जा रहा है, और ये सब ऐसे समय में रहा जब मान सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार के खोखले दावे कर रही है।

चुग ने कहा कि यह भगवंत मान सरकार की अमानवीय और आपराधिक विफलता है, जिसकी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गहन और निष्पक्ष जांच बेहद आवश्यक है।

नवंबर के दौरान विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 8 रिश्वतखोरी मामलों में 11 व्यक्ति रंगे हाथों गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के तहत नवंबर माह के दौरान 8 अलग-अलग ट्रैप केसों में 9 सरकारी कर्मचारियों और 2 निजी व्यक्तियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

यह जानकारी आज यहां देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि विजिलेंस ब्यूरो ने इस अवधि के दौरान सरकारी कर्मचारियों और हर क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं।

जीएमबीसीए मेगा पंजाब ट्रायल्स में 4,000 खिलाड़ियों का चयन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जीएम बॉक्स क्रिकेट एसोसिएशन (जीएमबीसीए) ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पंजाब और ट्राइसिटी क्षेत्र में मेगा टेनिस बॉल बॉक्स क्रिकेट ट्रायल्स की घोषणा की। इसका उद्देश्य सीजन-1 प्लेयर्स पूल के लिए 4,000 प्रतिभाशाली लड़के-लड़कियों का चयन करना है।

इस अवसर पर जीएमबीसीए के संस्थापक बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा कि यह एक मान्यता प्राप्त और औपचारिक रूप से संगठित जन-स्तरीय टेनिस बॉल बॉक्स क्रिकेट पहल है, जिसका उद्देश्य समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालना है। उन्होंने कहा कि यह मंच पंजाब के युवाओं को नशाखोरी, विदेश जाने के बढ़ते रुझान को रोकने और स्थायी आय के अभाव जैसी गंभीर समस्याओं से दूर रखने में मदद करेगा तथा उन्हें एक पेशेवर खेल करियर का अवसर प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह ट्रायल्स 15 से 45 वर्ष की आयु के लड़के-लड़कियों के लिए जनवरी 2026 से पंजाब के सभी जिलों में आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए पंजीकरण शुल्क 900 रुपये रखा गया है।

उन्होंने कहा कि चयनित खिलाड़ियों को प्रतिमाह 40,000 से 60,000 रुपये तक की आय के अवसर मिल सकते हैं, जबकि लीग मैचों, टूर्नामेंट और एंडोर्समेंट के माध्यम से सालाना 40 से 60 लाख रुपये तक कमाने की संभावना भी होगी। इससे टेनिस बॉल बॉक्स क्रिकेट को एक स्थायी और सम्मानजनक आजीविका के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। जीएमबीसीए ने पंजाब के सभी 23 जिलों में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजकों, क्रिकेट अकादमियों और कोचों से जिला समन्वयक (डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर) के रूप में जुड़ने की भी अपील की है।

सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी ने आयोजित किया 12वां स्वास्थ्य संवाद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी, सेक्टर-42, चंडीगढ़ की ओर से आईएमए भवन, सेक्टर-35बी में मासिक बैठक के साथ स्वास्थ्य विषय पर 12वां संवाद आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और उनके आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

बैठक में सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप के चेयरमैन सुरिंदर वर्मा और चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी ओम कटारिया ने भाग लिया। इस अवसर पर विषयगत प्रस्तुति प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ एवं आईएमए चंडीगढ़ चैप्टर के प्रेसीडेंट डॉ. पवन कंसल, एमडी (मेडिसिन) ने दी। डॉ. कंसल, जो पूर्व में गवर्नमेंट हॉस्पिटल, सेक्टर-16, चंडीगढ़ में सेवाएं दे चुके हैं, ने वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जरूरतों पर बात करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मेडिकल जानकारी लिखित रूप में सुरक्षित रखनी चाहिए, ताकि आपात स्थिति में आसानी हो सके। उन्होंने नियमित इलाज के लिए एक निजी डॉक्टर होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र में इलाज से जुड़े कई सवालों पर सरल भाषा में चर्चा की गई। सोसायटी के प्रेसीडेंट प्रो. (डॉ.) पी. थरेजा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि यह एक साल में आयोजित 12वां स्वास्थ्य संवाद है, जो सोसायटी की निरंतर मेहनत को दर्शाता है। कार्यक्रम में चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के प्रेसीडेंट एस.सी. अग्रवाल ने कहा कि ट्राई-सिटी में कई वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। मुख्य अतिथि सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी ने कार्यक्रम की सराहना की और सुझाव दिया कि चंडीगढ़ में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की एक सरल और साझा जानकारी तैयार की जानी चाहिए, जिससे सभी वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिल सके।

भारतीय परिवारों की पसंद बनी फोन-फ्री डिनर टेबल - स्टडी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वीवो इंडिया ने अपनी वार्षिक स्विच ऑफ रिपोर्ट का सातवाँ एडिशन जारी किया, जिसमें यह समझने की कोशिश की गई है कि ज्यादा स्मार्टफोन चलाने से माता-पिता और बच्चों के रिश्तों पर क्या असर पड़ रहा है। इस वर्ष का संस्करण वीवो की स्विच ऑफ पहल के केंद्रीय उद्देश्य को और मजबूत करता है। लोगों को अपने स्मार्टफ़ोन के साथ एक स्वस्थ संबंध विकसित करने और वास्तविक जीवन के रिश्तों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करना। यह रिपोर्ट बड़ी स्विच ऑफ पहल का हिस्सा है, जो अपने प्रियजनों के साथ अधिक समय बिताने के महत्व पर ज़ोर देती है। रिपोर्ट बताती है कि जैसे-जैसे डिजिटल कनेक्टिविटी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा बनती जा रही है, परिवार इस बदले हुए डिजिटल बिहेवियर के साथ खुद को कैसे एडजस्ट कर रहे हैं। स्टडी के दो बड़े इनसाइट्स सामने आए हैं। परिवारों के लिए डिनर टाइम अभी भी दिन का सबसे अच्छा कनेक्शन मोमेंट है, और बच्चे अब एआई की मदद लेने लगे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके पेरेंट्स अक्सर बहुत बिज़ी रहते हैं।

स्टडी बताती है कि 72 प्रतिशत बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ सबसे ज्यादा समय तब बिताते हैं जब वह डिनर करते है। 91 प्रतिशत बच्चों का कहना है कि जब फोन साइड में रख दिए जाते हैं, तो बातचीत ज्यादा आसान और मतलब वाली लगती है, और इसी वजह से डिनर टाइम एक ऐसा नेचुरल स्पेस बन जाता है जहाँ परिवार का ध्यान एक जगह होता है और सभी फिर से कनेक्ट महसूस करते हैं। अच्छी बात यह है कि स्टडी दिखाती है कि परिवार अब ऐसे साझा पलों को वापस बनाने के लिए तैयार हो रहे हैं। पेरेंट्स और बच्चे छोटे-छोटे बिहेवियरल शिफ्ट्स आज़मा रहे हैं, जैसे नोटिफिकेशन्स कम करना, फोन को साथ बैठते समय दूर रखना, या ऑफ़लाइन एक्टिविटीज़ चुनना, जिससे वे खुद को ज्यादा कंट्रोल में और ज्यादा प्रेज़ेंट महसूस करते हैं। परिवारों का कहना है कि जैसे-जैसे वे ये छोटी फोन-फ्री आदतें अपनाते जाते हैं, वैसे-वैसे असली कनेक्शन वाले ये पल बचाना और आसान होता जाता है।

रिपोर्ट इस साल एक और बड़ा बदलाव दिखाती है, अब ज्यादा बच्चे सीखने और गाइडेंस के लिए एआई टूल्स की ओर मुड़ रहे हैं। जिज्ञासा, क्रिएटिविटी और बदलती अकैडमिक ज़रूरतों के चलते 10-16 साल के 54 प्रतिशत बच्चे अर्ली अडॉप्टर्स बनकर अपनी रोज़मर्रा की पढ़ाई और कामों में एआई का खुले तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। उनका उपयोग होमवर्क और असाइनमेंट्स के लिए 61प्रतिशत, पर्सनल ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए 63प्रतिशत तक जाता है। सबसे ध्यान देने वाली बात यह है कि 33: बच्चे एआई को एक तरह के कम्पैनियन की तरह भी देखते हैं, कभी-कभी यह उनके असली रिश्तों की जगह लेने जैसा महसूस होता है।

आदिवासी महिलाओं की भूमिका और नेतृत्व

लेखिकाः केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार

भारत विविध सांस्कृतिक परंपराओं और जीवन-पद्धतियों वाला समृद्ध देश है, और इसमें अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.45 करोड़ से अधिक है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 8.6% है।यह केवल जनसंख्या का आँकड़ा नहीं, बल्कि भारत की जीवंत, प्राचीन और बहुविध सांस्कृतिक धरोहर का अद्वितीय स्वरूप है। यह समुदाय न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संवाहक रहा है, बल्कि अपनी समृद्ध परंपराओं, भाषा-भाषाई विविधता और मौलिक ज्ञान प्रणालियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान को निर्मित करता रहा है। रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी इनके पराक्रम, बुद्धिमत्ता और प्रकृति से गहरे संबंध का उल्लेख मिलता है।

फिर भी, लंबे समय तक आदिवासी समाज को मुख्यधारा के विकास से दूर रखा गया। उन्हें एक जीवित संस्कृति के संरक्षक के रूप में तो देखा गया, पर समान भागीदार के रूप में नहीं। विशेषकर आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व, कौशल, सामाजिक समझ और समुदाय निर्माण में उनकी भूमिका को लंबे समय तक वह मान्यता नहीं मिली, जिसकी वे वास्तविक हकदार थीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस सोच और व्यवस्था में स्पष्टत था उद्देश्य पूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। सरकार ने टोकनिज़्म (प्रतीकात्मक पहल) से आगे बढ़कर टार्गेटेड एम्पावरमेंट (लक्ष्य आधारित सशक्तिकरण) की नीति अपनाई है। जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के प्रति यह प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा में अब कोई भी समुदाय पीछे न रह जाए।" सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" का मंत्र इसी समावेशी दृष्टि का सशक्त उदाहरण बन चुका है।

इसी प्रतिबद्धता का प्रभाव बजट आवंटन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जनजातीय समुदायों के विकास हेतु कुल बजट 2024-25 में 10,237.33 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 14,925.81 करोड़ हो गया है, जो 45.79% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यदि दीर्घकालीन दृष्टि से देखें, तो 2014-15 में 4,497.96 करोड़ के बजट के मुकाबले यह राशि पहले 2021-22 में 7,411 करोड़ तक पहुँची और अब यह वृद्धि 231.83% तक पहुँच गई है। केंद्रीय बजट 2025–26 में जनजातीय कार्य मंत्रालय के लिए बढ़े हुए आवंटन से स्पष्ट है कि अब आदिवासी समुदाय, खासकर महिलाएँ, विकास की यात्रा में केवल लाभार्थी नहीं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में हैं।

ारत की आदिवासी महिलाएँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन की धुरी रही हैं। वे जल, जंगल और जमीन से जुड़ी पारंपरिक जीवन व्यवस्थाओं की संरक्षक हैं और सामुदायिक निर्णय, संसाधन प्रबंधन और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज यह भूमिका केवल पारिवारिक और सामुदायिक स्तर तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि शासन व्यवस्था से लेकर नीति निर्माण तक दिखाई दे रही है। इस परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली प्रतीक यह है कि भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आसीन हैं।

सरकार ने आदिवासी महिलाओं के सामाजिक-सांस्कृतिक सशक्तिकरण, आर्थिक उत्थान एवं उनके नेतृत्व को संस्थागत आधार प्रदान करने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे विकास केवल सुविधाओं का विस्तार न होकर, सम्मान, पहचान और आत्मनिर्भरता को भी सुनिश्चित करे।इनमें आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा आदिवासी महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए 2 लाख तक का ऋण मात्र 4% ब्याज दर पर प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे हस्तशिल्प, कृषि-आधारित कार्य, बांस उत्पाद,

पशुपालन, प्रसंस्करण एवं सेवा क्षेत्र में उद्यमशीलता विकसित कर रही हैं।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) के लिए शुरू किया गया प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) इन समुदायों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचा रहा है।यह अभियान 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश के 75 PVTG समुदायों के उन इलाकों में विकास सुनिश्चित कर रहा है, जो लंबे समय से मुख्यधारा से दूर रहे हैं। लगभग 24,104 करोड़ के निवेश के साथ PM-JANMAN आवास, स्वच्छ जल, स्वास्थ्य सेवा, पोषण, शिक्षा, सड़क संपर्क और सतत आजीविका जैसे क्षेत्रों में समग्र सुधार ला रहा है।

इसके अतिरिक्त, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) आदिवासी बच्चों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनके कौशल विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। साथ ही, छात्रवृत्ति योजनाओं ने विशेषरूप से बालिकाओं में स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

DAY-NRLM ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आदिवासी महिलाओं की वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता, सामूहिक उत्पादन, विपणन और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ किया है।वहीं सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण अभियान ने गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण स्तर और मातृ-स्वास्थ्य संकेतकों को सुधारने का कार्य किया हैं।

पेसा (PESA) पंचायत (अनुसूचितक्षेत्रोंतकविस्तार) अधिनियम, 1996 के माध्यम से पाँचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में रहनेवाले आदिवासी समुदायों को ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन की शक्ति दी गई है। इस कानून ने पंचायत और ग्राम सभा में महिला भागीदारी को संरचनात्मक स्तर पर सुनिश्चित किया है, जिसके लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा महिलाओं के लिए विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय क्षेत्रों में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में उभरा है। इस अभियान के तहत 20 लाख से अधिक परिवर्तनकारी प्रतिनिधियों (Change Agents), जिनमें महिला स्वयं-सहायता समूहों की सदस्याएँ, युवा और स्थानीय अधिकारी शामिल हैं, को शासन, सेवा वितरण और सामुदायिक सशक्तिकरण में स्थानीय नेतृत्व के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। अभियान का लक्ष्य "1 लाख जनजातीय गाँव– विज़न 2030" के माध्यम से सहभागी शासन प्रणाली को मजबूत करना है, जिसमें महिलाओं की केंद्रीय भूमिका सुनिश्चित की गई है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भी इस अभियान की सराहना की है और कहा है कि जमीनी स्तर पर आदिवासी नेतृत्व ही 'विकसितभारत@2047' की आधारशिला है। आज अनेक जनजातीय बहुल गाँवों में महिलाएँ ग्राम संस्थाओं की अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व कर रही हैं, स्वयं-सहायता समूहों का संचालन कर रही हैं, शासन प्रयोगशालाओं में परिवर्तनकारी नेतृत्व निभा रही हैं और अपने समुदाय को आजीविका एवं विकास योजनाओं से जोड़ रही हैं।

साथ ही, वर्ष 2024 में शुरू 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत 63,000 से अधिक जन जातीय बहुल गाँवों में समग्र विकास के लिए 79,000 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है, जिसका एक मुख्य आधार ग्राम समितियों में महिलाओं की प्रत्यक्ष नेतृत्व भूमिका को मजबूत करना है।

भारत की विकास यात्रा में आदिवासी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि वे अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बन रही हैं। अब हमारा ध्यान इस बात पर है कि जमीनी स्तर पर उनके नेतृत्व को कैसे और मज़बूत बनाया जाए।इसी उद्देश्य से स्थानीय समुदायों में महिला नेतृत्व प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक महिलाएँ प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

वन आधारित आजीविका और हस्त-उद्यमों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों से जोड़ना हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में है, जिससे उनके कार्य का मूल्य और सम्मान दोनों बढ़ें। स्वयं सहायता समूहों और आजीविका समूहों के माध्यम से महिलाएँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सशक्त वाहक बन रही हैं।इस दिशा में डिजिटल साक्षरता और वित्तीय प्रबंधन प्रशिक्षण को और व्यापक रूप से लागू किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक महिला आत्मनिर्भर बन सके।

साथ ही, आदिवासी बालिकाओं की उच्च शिक्षा और कौशल विकास तक पहुँच को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ भविष्य के नेतृत्व पदों तक आगे बढ़ सकें।हमारा उद्देश्य स्पष्ट है-आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण केवल सामाजिक संवेदना का विषय नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक विस्तार, सतत विकास और समावेशी प्रगति की सबसे मज़बूत नींव है।

संपादकीय

वैज्ञानिक दौर में भी तेजी से पांव पसार रहा अंधविश्वास

आज के वैज्ञानिक दौर में भी समाज में अंधविश्वास की जड़ें इतने गहरे तक फैली हुई हैं कि कई बार लोग अपनी जान तक जोखिम में डाल देते हैं। कर्म और तर्क के सिद्धांत को कोने में रखकर कुछ लोग तंत्र-मंत्र और जादू-टोना का सहारा लेते हैं, जिसके अक्सर भयावह परिणाम सामने आते हैं। कभी तांत्रिक अनुष्ठान में किसी व्यक्ति की हत्या कर दी जाती है, तो कभी डायन कहकर सार्वजनिक तौर पर प्रताड़ना की हदें पार कर दी जाती हैं। ऐसी ही एक घटना छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सामने आई है, जहां एक फार्म हाउस से तीन लोगों के शव बरामद किए गए हैं। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने आंशका जताई है कि पैसे दोगुने करने के लिए आयोजित एक तांत्रिक अनुष्ठान के दौरान इन लोगों की गला दबाकर हत्या की गई है। सवाल है कि इस तरह का अंधविश्वास फैलाने और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या शासन-प्रशासन का दायित्व अपराध से पहले ही उसके पैरों को कुचल देने का नहीं है? तंत्र-मंत्र जैसे अंधविश्वास के नाम पर हत्या कर देने या प्रताड़ित करने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इस तरह की अवैज्ञानिक धारणा में कुछ लोग तो इतने हताश हो जाते हैं कि आत्महत्या तक कर लेते हैं। वर्ष 2018 में दिल्ली के बुराड़ी में एक परिवार द्वारा सामूहिक रूप से आत्महत्या कर लेने की घटना को आज भी एक उदाहरण के तौर पर देखा जाता है, जिसमें अंधविश्वास का ही मामला सामने आया था। तांत्रिक विद्या का इतना बड़ा प्रभाव क्षेत्र है कि उच्च शिक्षित वर्ग के लोग भी भ्रम के इस जाल में फंस जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि तंत्र-मंत्र के बल पर अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने की बजाय समाज में कुशल, प्रगतिशील और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जाए। हर शहर, कस्बों और गांवों में तांत्रिकों ने अपने अडड्े बना रखे हैं।

महाविजय के गुमनाम नायक

सन् 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध से पहले सगत सिंह ने दिसंबर 1962 में गति और अप्रत्याशितता का इस्तेमाल कर गोवा भी फतह किया था। वह भारतीय इतिहास में अनूठे जनरल हैं, जो तीन अलग-अलग विदेशी फौजों से लड़े और हर बार जीत हासिल की। महज दो दिन बाद हम 54वां विजय दिवस मनाएंगे। बताने की जरूरत नहीं कि 16 दिसंबर को ढाका में हजारों पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। इसी दिन बांग्लादेश का उदय हुआ और पाकिस्तान का सदा-सर्वदा के लिए विखंडन।यह सिर्फ दुनिया के नक्शे पर एक नए देश का उदय भर नहीं था, बल्कि जिन्ना के द्वि-राष्ट्रवाद की भी धज्जियां सिर्फ 24 वर्षों के अदना अंतराल में उड़ गई थीं। इसी के साथ तय हो गया था कि धर्म किसी देश के विभाजन का आधार तो बन सकता है, परंतु उसके स्थायित्व की गारंटी नहीं!इस महान सैन्य उपलब्धि के लिए आप किसे याद करना चाहेंगे? जनरल सैम मानेकशॉ, लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा, लेफ्टिनेंट जनरल जेएफआर जैकब या तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को? उस समय देश के रक्षा मंत्री कौन थे? भारतीय थल सेना का वह जनरल कौन था, जिसने सैन्य मुख्यालय के हुक्म को नजरअंदाज कर पाक कमांडर जनरल एएके नियाजी को इतनी जल्दी हथियार डालने पर विवश कर दिया था? गुमनाम गाथाओं और उन्हें गढ़ने वाली शख्सियतों की यह शृंखला इतिहास की अबूझ त्रासदी को उजागर करती है।

(शशि शेखर)

पुरानी कहावत है, काल-गाथाएं वही दर्ज करती हैं, जो उनको दिखाया जाता है। इतिहास की इस रतौंधी के चलते तमाम गौरव-गाथाएं काल की तहों में दबती चली जाती हैं। यहां मैं आदरपूर्वक लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह को याद करना चाहूंगा। सगत सिंह न होते, तो यकीनन यह युद्ध लंबा खिंच जाता, लेकिन अफसोस, बहुत कम लोग उनके बारे में जानते हैं। वजह? उन्होंने नाम के बजाय हमेशा काम को तरजीह दी। जानने वाले जानते हैं कि भारतीय सैन्य नेतृत्व ने तब पूर्वी पाकिस्तान के मोर्चे पर जूझ रही भारतीय सेना को चार कोर सेक्टर में बांटा था। जनरल सगत सिंह चौथी कोर के कमांडर थे। उन्हें पूर्वी पाकिस्तान में भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों से लगी सीमा से प्रवेश करने का काम सौंपा गया था। इस जिम्मेदारी का निर्वाह बेहद मुश्किल था। रास्ते में दर्जनों नदियां, जंगल, दलदल और ऊबड़-खाबड़ इलाके थे। अखौरा, भवानीपुर और मेमन सिंह जैसे शहरों से सेना को गुजरना था। वहां जनरल नियाजी ने जबरदस्त किलेबंदी कर रखी थी, ताकि हिन्दुस्तानी फौज को लंबे समय तक वहीं उलझाया जा सके। नियाजी ने प्राकृतिक अवरोधों को अपनी ताकत मानते हुए वहां यथास्थिति को तरजीह दी थी। यह उनकी बड़ी भूल साबित हुई। वह भूल गए थे कि जनरल सगत सिंह बेहद तेज गति और अप्रत्याशित अचरजों के लिए जाने जाते हैं। सगत सिंह ने पाकिस्तानी लामबंदी को बाईपास करने की रणनीति अपनाई। उनका आदेश स्पष्ट था, 'किलेबंदी को नजरअंदाज करो, उन्हें मुस्तैदी से घेरो और तेजी से ढाका की ओर बढ़ो।' इस रणनीति के तहत उनके दस्ते मुख्य शहरों के बजाय नदी-नालों को लांघते हुए दुर्गम पगडंडियों के सहारे शत्रु क्षेत्र में घुसते चले गए। जब तक पाकिस्तानी फौज का नेतृत्व इस तथ्य को समझ पाता, तब तक देर हो चुकी थी। भारतीय सैनिक चारों ओर से अंदर धंसते चले आ रहे थे और देखते-देखते वे मेघना नदी के किनारे जा पहुंचे। यह नदी अपनी गहराई और विशालता के लिए मशहूर है। जनरल सिंह को आदेश था कि वह मेघना न पार करें, लेकिन युद्धक्षेत्र में उन्हें रोक पाना इंसानी बूते से बाहर की बात थी। 'ऑपरेशन मेघना' में भाग लेने वाले स्क्वॉड्रन लीडर पुष्प वेद और मेजर चंद्रकांत सिंह ने अपनी किताबों- एमआई-4एस एट वार और मेघना में इसका विस्तार से वर्णन किया है। सगत सिंह ने अपने साथियों से कहा कि अगर हम मेघना पर पुल बनाएंगे, तो इसमें हफ्तों लग

सकते हैं। क्यों न हम हेलीकॉप्टरों से अपने फौजी दुश्मन के पीछे उतार दें। यह काम आसान न था। इसके लिए न तो आलाकमान की मंजूरी थी और फिर खतरे भी बहुत थे। हेलीकॉप्टरों में भारी साजो-सामान और सैनिक लादकर ले जाना जोखिम भरा था। वे नीचे मुस्तैद दुश्मन के निशाने पर भी आ सकते थे। उनकी वीरता, शौर्य और हर हाल में युद्ध जीतने की ललक का यह अद्भुत उदाहरण है। इसके लिए उनके साथियों ने क्या-क्या जतन किए? हेलीकॉप्टरों की सीटें निकाल दी गई थीं, ताकि ज्यादा से ज्यादा सामान लादे जा सकें। उसी सैन्य सामग्री के ऊपर हमारे जवान यह चिंता किए बिना कि सीट बेल्ट और खिड़कियों के अभाव में वे नीचे गिर सकते हैं, बैठ जाते। कई बार पाकिस्तानी फौजों की गोलियां हेलीकॉप्टरों से टकरातीं। एक हेलीकॉप्टर में तो 38 गोलियां लगीं, इसके बावजूद वे उड़ान भरते रहे। एक आता, तो दूसरा उड़ लेता। इस बीच इंजीनियर उसे दुरुस्त करने में जुट पड़ते और पायलट को नहाने, खाने और सुस्ताने का मौका मिल जाता। देखते-देखते छह हजार सैनिकों का बड़ा जत्था मेघना पार कर ढाका की ओर बढ़ चला था। वे ढाका पहुंचने ही वाले थे कि सगत सिंह को आदेश मिला, लौट आइए। सगत सिंह का जवाब था- ऐसा सिर्फ मेरी मृत देह पर संभव है। यह जवाब सैन्य नियमों की अवहेलना भले हो, पर एक सैनिक की मर्यादा का चरमोत्कर्ष था। उधर पाकिस्तानी खेमे में हलचल मच चुकी थी। भारतीय दस्ते की विशालता और मारक क्षमता को लेकर अतिरंजित जानकारियां फिजां में थीं। नियाजी को जैसे ही लगा कि हम दोनों ओर से घिर गए हैं, उन्होंने हथियार डाल दिए। सगत सिंह के बिना यह संभव न था। इससे भारतीय सेना और भारतीयों का मनोबल आसमान पर जा पहुंचा था। हालांकि, सगत सिंह का यह पहला कारनामा न था। वह इससे पहले नाथू ला में चीनियों का मानमर्दन कर चुके थे। हमें मालूम है कि 1962 में चीन से शर्मनाक हार के बाद भारतीय सेना हताशा का शिकार हो गई थी। उसी दौर में सगत सिंह वहां कमांडर बनकर पहुंचे थे। उन्हें जानकारी मिली कि चीनी सैनिक कभी भी सीमाएं लांघ सकते हैं और उन्होंने पर्याप्त मात्रा में सैनिकों की तैनाती वहां कर दी। झड़प के आसार बनते ही तोपखाने को भी आगे बढ़ने का हुक्म दिया गया। उन दिनों तोपखाने की रवानगी से पहले सर्वोच्च स्तर से आज्ञा लेनी पड़ती थी, पर उन्होंने इसका इंतजार नहीं किया। यही वजह है कि जब झड़प हुई, तो भारतीयों के मुकाबले तीन से चार गुना चीनी सैनिक मारे गए। यह वह लम्हा था, जिसने सेना और सरकार, दोनों को आत्मविश्वास प्रदान किया कि हम मजबूत से मजबूत सेना को हरा सकते हैं। इससे पहले सगत सिंह ने दिसंबर 1962 में गति और अप्रत्याशितता का इस्तेमाल कर गोवा भी फतह किया था। वह भारतीय इतिहास में अनूठे जनरल हैं, जो तीन अलग-अलग विदेशी फौजों से लड़े और हर बार जीत हासिल की। वह ख्याति नहीं मिली और सम्मान नहीं दिया गया, जिसके वह हकदार थे। देशहित में की गई जिदा उन पर भारी साबित हुई, लेकिन जगजीवन राम का क्या दोष था? वह उस दौरान देश के रक्षा मंत्री थे। उनके हिस्से में भी गुमनामी आई। क्यों? यह लेखक के अपने विचार है।

अंतरराष्ट्रीय: आसान नहीं है शांति की राह, रूस-यूक्रेन जंग में अमेरिका कसौटी पर

(पवन पांडेय)

अगर ट्रंप प्रशासन पुतिन को कूटनीति से ऐसी जीत दिला देता है, जो वह जंग में हासिल नहीं कर सका, तो यह अमेरिका की एक बहुत बड़ी नाकामी होगी। यूक्रेन में युद्ध की हकीकत हमें यह बताती है कि संघर्ष विराम पर बातचीत करने का यह बिल्कुल सही वक्त है। पर सवाल यह है कि क्या रूस और अमेरिका एक ऐसी शांति के लिए तैयार हैं, जो यूक्रेन को आजाद रखे। रूस पूर्वी यूक्रेन में मोर्चे पर लगातार हमला कर रहा है, और यूक्रेन लड़ाई हारने के कगार पर है। यूक्रेनी हवाई रक्षा को अब हमलावर ड्रोन और मिसाइलों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका से मिलने वाली वित्तीय मदद भी लगभग खत्म हो गई है और जेलेंस्की की सरकार भ्रष्टाचार के मामले में फंसी हुई है। उधर रूस ने बढ़त तो बनाई है, लेकिन वह जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे प्रांतों पर कब्जा करने में पांच साल और लगेंगे। फिलहाल, यूक्रेनी लाइनों को तोड़ने का कोई मुमकिन तरीका रूस के पास नहीं है। यूक्रेन ने व्यवस्थित तरीके से रूसी ऊर्जा ढांचे और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया।

एक और सच्चाई है, जो मुझे 2023 में यूक्रेनी नेताओं से बात करके पता चली। इसके अनुसार, यूक्रेन को तीन युद्ध लड़ने होंगे, और यह सिर्फ दूसरा है। पहला युद्ध 2014 में क्रीमिया और

डोनबास इलाके के कुछ हिस्सों पर रूस का हमला था। दूसरा अभी चल रहा है, जो 2022 में शुरू हुआ था। तीसरे युद्ध के बारे में यूक्रेन को डर है कि वह रूस तब शुरू करेगा, जब उसे फिर से हथियारबंद होने का मौका मिलेगा। उस युद्ध को जीतना, या उसे रोकना, यूक्रेन की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। इसीलिए जेलेंस्की ने फ्रांस व स्वीडन से उन्नत लड़ाकू विमान खरीदने का सौदा किया है।

किसी भी शांति समझौते का मूल्यांकन एक ही सवाल के आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या गोलीबारी बंद होने के बाद यूक्रेन आजाद रह सकता है? भले ही यूक्रेन शांति के लिए कुछ जमीन छोड़ने को तैयार हो जाए, फिर भी उसे अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता तो बनाए रखनी होगी, वरना कोई भी शांति समझौता एक समर्पण दस्तावेज से ज्यादा कुछ नहीं होगा। ट्रंप की शुरुआती योजना में पूरा डोनबास रूस को दे दिया गया था-इसमें डोनबास के वे हिस्से भी शामिल थे, जिन्हें रूस यूक्रेन से छीन नहीं पाया था। साथ ही, यूक्रेन को नाटो में शामिल होने की उम्मीद छोड़नी होगी, और नाटो सैनिक यूक्रेन की जमीन पर तैनात नहीं हो सकेंगे। नतीजतन, समझौते में कोई भी सुरक्षा गारंटी सिर्फ कागजी होगी।

अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन के सामने दो मुश्किल विकल्प हो सकते हैं-या तो वह रूसी/अमेरिकी समझौते को मानकर मास्को का गुलाम बनकर रहे, या फिर समझौते से मना कर दे और रूस के खिलाफ मुश्किल जंग का सामना करे। यूक्रेन बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन जो बातें उसे मंजूर हैं, वे रूस को मंजूर नहीं हैं। ऐसे में, अमेरिकी कूटनीति और मदद का असली मकसद यूक्रेन पर पुतिन के कब्जे को रोकना होना चाहिए। यदि ट्रंप यूक्रेन को मजबूर करने की खातिर अमेरिका की आर्थिक व सैन्य ताकत का इस्तेमाल करते हैं, तो संघर्ष विराम कूटनीतिक कामयाबी के बजाय शर्म की बात होगी।

रूस दो तरीकों से जंग जीत सकता है। पहला, वह जंग में भारी कीमत चुकाकर यूक्रेन को हराने की कोशिश करता रहे। लेकिन वह कब तक ऐसा कर पाएगा? दूसरा है, अमेरिकी असर का इस्तेमाल करके यूक्रेन पर छूट देने का दबाव बनाना। पुतिन को इसकी ज्यादा उम्मीद है। हम फिलहाल राहत की सांस ले सकते हैं कि यूक्रेनी कूटनीति से एक नई योजना सामने आई है। अगर ट्रंप प्रशासन पुतिन को कूटनीति से ऐसी जीत दिला देता है, जो वह जंग में हासिल नहीं कर सका, तो यह अमेरिका की एक बहुत बड़ी नाकामी होगी।

वर्ग पहेली 5944

1	2	3	■	4		5	6
7			8		■	9	
	■	10			■	■	
	■		■	11	12	13	
14	15		■	■	16		■
■		■	17			■	18
19	■	20		■	21		
■	22			■		■	

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह देश शतरंज खेल का जन्म स्थान है (3)
4. इस वेद में भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ होता है और गांधर्व वेद इसका उपवेद है (4)
7. नभचारी, वे प्राणी जो आकाश में विचरित होते हों (5)
9. समूह, गुट, पंखड़ी (2)
10. निर्मित करना, रचित करना (3)
11. थपथपाना, पाथना, थपकी देना (4)
14. नासमझ, भोला (3)
16. दक्ष प्रजापति की पुत्री जो कामदेव का ब्याही थी (2)
17. भगवान श्रीकृष्ण के नामों में से एक (3)
19. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)
20. दर, निरर्व (2)
21. छुटकारा, मुक्ति (3)
22. मस्तक, माथा (3)

ऊपर से नीचे

1. भाग्य का सितारा उदित होना, भाग्योदय होना (5)
2. रक्त वाहिनी नली, नस (2)
3. यह गोविंदा की पहली फिल्म थी (1986)(5)
4. वाराणसी से करीब 6 किमी स्थित बौद्धों का प्रसिद्ध तीर्थस्थान जिसे प्राचीनकाल में सारंगनाथ भी कहते थे (4)
6. रगड़ या पीस कर टुकडें करवाना (4)
5. भारतीय आर्यों के सर्वप्रथम एवं सर्वमान्य धार्मिक ग्रंथ (2)
8. चैत्र माह का प्रसिद्ध अन्न (2)
12. भरण-पोषण, पालन, देख-रेख (5)
13. कितने, कई एक, कुछ (2)
15. टहलनी, दास वर्ग की स्त्री (2)
17. मल्लाह, नाविक, नाव चलाने वाला (2)
18. तेजस्वी, इबालमंद (3)
20. महराणा प्रताप का शस्त्र, नेरछा (2)

वर्ग पहेली 5943 का हल

ल	लि	ता	पं	वा	र	■	■
की	■	र	■	ता	मी	ल	■
र	सि	क	■	य	■	प	ना
का	या	■	स	न	म	क	दा
फ	र	मा	न	■	यू	ना	न
की	■	स	म	■	र	■	■
र	वि	■	■	का	■	सो	म
■	प्र	ग	ति	शी	ल	■	ठ

मोदी-ट्रंप बातचीत- द्विपक्षीय रिश्तों लेकर प्रतिबद्ध भारत-यूएस, ट्रेड डील का क्या होगा?

(अशोक उपाध्याय)

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप में बातचीत होना एक अच्छा संकेत है। यह दिखाता है कि दोनों देश द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इसमें जो बाधा आई है, उसे जल्द से जल्द हटाकर आगे बढ़ना चाहते हैं।

ट्रेड डील को लेकर दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। इसी हफ्ते व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मार्च में बातचीत शुरू होने से लेकर अभी तक, रिश्तों में उतार-चढ़ाव के कई दौर आए हैं। इसी दौरान अमेरिका ने भारत पर 50त्न टैरिफ थोप दिया। अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होने के बावजूद इस पर तल्खी दिखाने के बजाय भारत ने दृढ़ता और संयम का परिचय दिया।

रूसी तेल खरीद पर रोक और दूसरी अमेरिकी मांगों के जवाब में भारत का रुख यही रहा है कि उसका फैसला अपने लोगों के हितों की रक्षा करने वाला होगा। और अब तो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर भी मान चुके हैं कि भारत ने अब तक का सबसे अच्छा प्रस्ताव दिया है। हालांकि इसके बावजूद अभी तक ट्रंप प्रशासन की तरफ से टैरिफ में छूट देने या डील फाइनल करने के संबंध में कोई संकेत नहीं मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना कि अगर अमेरिका प्रस्ताव से संतुष्ट है, तो साइन कर दे - दरअसल अमेरिकी रुख की इसी अनिश्चितता को दर्शाता है। यह अनिश्चितता कई अन्य स्तरों पर भी

प्रकट हो रही है। मसलन- एक तरफ द्विपक्षीय बातचीत में सहयोग बढ़ाने की बात हो रही थी, तो दूसरी तरफ ट्रंप भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे थे। भारत और अमेरिका के बीच बातचीत में हालिया प्रगति के दौरान की एक बड़ी घटना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन का भारत दौरा है। इस यात्रा की टाइमिंग ने सबका ध्यान खींचा। नई दिल्ली ने इससे यह संदेश तो पश्चिम तक पहुंचा ही दिया कि उसके लिए राष्ट्रीय हित सबसे पहले है और यह भी कि अपनी स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति पर कोई समझौता उसे मंजूर नहीं। भारत ने रूस के साथ पुरानी दोस्ती निभाई है, लेकिन अमेरिका को भी नहीं छोड़ा। अब इसी संतुलन की उम्मीद ट्रंप प्रशासन से भी है। उसे भारत जैसे सहयोगी देश की जरूरतों और चिंता को समझना चाहिए। यह डील जितनी जल्दी अंजाम तक पहुंचेगी, दोनों देशों को उतना फायदा होगा।

आज का राशिफल

मेष

चंद्रमा आज सप्तम भाव में होने से घर के लिए उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृष

आज राशि का स्वामी शुक्र सप्तम भाव में और राहु कुंभ राशि का होकर दशम राज्य भाव में होने से जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें। विरोधी परास्त होंगे।

तुला

आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

वृश्चिक

आज पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

मिथुन

आज का दिन मन संतोष का देने वाला है। षष्ठ व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे।

कर्क

आज का दिन कोष वृद्धि का संकेत है। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक क्लेश मिल सकता है। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा। विरोधी परास्त होंगे।

धनु

आज आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। लंबी यात्रा पर जा सकते हैं वह भी धार्मिक।

मकर

आज का दिन अच्छा है इसके कारण व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे।

सिंह

सिंह आज का दिन प्रभाव प्रताप को बढ़ाने वाला है, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। दूसरों के सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या

आज का दिन शुभ व्यय, कीर्ति की वृद्धि कारक है। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी।

कुंभ

आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। झगड़ा विवाद से बचें। अकस्मात कोई खबर मिलने के बाद यात्रा का प्लान बना सकते हैं।

मीन

आज का दिन राज्य मान-प्रतिष्ठा वृद्धि कारक है। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें। रिश्तों में मधुरता आयेगी।

अनिश्चितता के बावजूद तेजी से आगे बढ़ रहे भारतीय फैमिली बिजनेस

63 प्रतिशत परिवारों की कमाई बढ़ने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फैमिली बिजनेस मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत लचीलापन और भविष्य को लेकर जबरदस्त भरोसा दिखा रहे हैं। डेलॉइट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 63 प्रतिशत से ज्यादा पारिवारिक कारोबारों ने साल 2024 में दोहरे अंकों की राजस्व वृद्धि हासिल की है। इतना ही नहीं, 2025-26 को लेकर भी तस्वीर काफी सकारात्मक है, जहां 75 प्रतिशत फैमिली एंटरप्राइज 15 प्रतिशत से अधिक ग्रोथ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

भारतीय फैमिली बिजनेस अब केवल पारंपरिक मॉडल पर निर्भर नहीं: डेलॉइट प्राइवेट की फैमिली बिजनेस इनसाइट्स सीरीज 2025 रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय फैमिली बिजनेस अब केवल पारंपरिक मॉडल पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि टेक्नोलॉजी, नए बाजारों और आधुनिक गवर्नेंस के जरिए लंबी अवधि की ग्रोथ की नींव रख रहे हैं। रिपोर्ट के लिए 36 देशों के 1,587 फैमिली बिजनेस का सर्वे किया गया, जिनमें भारत की 50 कंपनियां शामिल थीं।

डेलॉइट इंडिया में डेलॉइट प्राइवेट के लीडर केआर शेखर के अनुसार, भारतीय फैमिली बिजनेस की सफलता संयोग नहीं है। इसके पीछे पूंजी तक बेहतर पहुंच, पीढ़ीगत बदलाव, फैमिली ऑफिस का उभार, मजबूत शेयर बाजार और टेक्नोलॉजी के जरिए हो रहा बदलाव अहम वजहें हैं।

एआई और नए बाजार बन रहे ग्रोथ के इंजन: रिपोर्ट के अनुसार, 53 प्रतिशत भारतीय फैमिली बिजनेस पहले से ही एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो वैश्विक औसत से कहीं ज्यादा है। एआई अपनाने के साथ-साथ नए बाजारों में विस्तार और नए प्रोडक्ट पोर्टफोलियो ने इन कंपनियों को बढ़ती लागत और आर्थिक दबाव के बीच प्रतिस्पर्धी बनाए रखा है।

शीर्ष नेतृत्व में लैंगिक समानता एक बड़ी चुनौती: भारतीय फैमिली बिजनेस अब सिर्फ मुनाफे तक सीमित नहीं हैं। रिपोर्ट बताती है कि 76 प्रतिशत कंपनियां ईएसजी यानी पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस मानकों को गंभीरता से अपना रही हैं। इसके अलावा, 73 प्रतिशत कंपनियों के बोर्ड में 10 प्रतिशत से ज्यादा महिला प्रतिनिधित्व है, हालांकि शीर्ष नेतृत्व में लैंगिक समानता अब भी एक चुनौती बनी हुई है।

ग्लोबल विस्तार को लेकर भी भरोसा मजबूत: डेलॉइट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फैमिली बिजनेस का आत्मविश्वास केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं है। करीब 89 प्रतिशत कंपनियां एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विस्तार की योजना बना रही हैं, जबकि 39 प्रतिशत नॉर्थ अमेरिका और 37 प्रतिशत यूरोप को अगले बड़े अवसर के रूप में देख रही हैं। कुल मिलाकर, डेलॉइट का आकलन बताता है कि भारतीय फैमिली बिजनेस मजबूत ग्रोथ, टेक्नोलॉजी अपनाने और वैश्विक विस्तार के दम पर आने वाले वर्षों में भी अर्थव्यवस्था के अहम स्तंभ बने रहेंगे।

कोविड महामारी के बाद भारतीय कंपनियां मजबूत, अब विकास की रफ्तार पर ब्रेक क्यों? रिपोर्ट में पता चली वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 के बाद भारतीय कंपनियां वित्तीय रूप से पहले से अधिक मजबूत दिख रही हैं, लेकिन कमजोर मांग के कारण उन्हें नई विकास संभावनाएं खोजने में कठिनाई हो रही है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों में रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल में जो सुधार दिखा, वह मुख्य रूप से लागत नियंत्रण और पुनर्गठन का नतीजा था, न कि मजबूत मांग वृद्धि का।

वित्त वर्ष 2025 की भारतीय कंपनियों पूरी तरह तैयार हैं: रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड के बाद सुधार का यह दौर अब लगभग खत्म हो चुका है और पांच वर्षीय आई-सीआरओआईसी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो गया है। इसके उलट, मांग वृद्धि 10 प्रतिशत सालाना से नीचे बनी हुई है और हाल के समय में इसमें और सुस्ती आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 की भारतीय कंपनियां पूरी तरह तैयार, लेकिन आगे बढ़ने का रास्ता नहीं, यह संकेत देता है कि मांग के बिना मुनाफे में टिकाऊ वृद्धि मुश्किल है।

कमजोर मांग के पीछे निर्यात और वेतन वृद्धि की सुस्ती: नुवामा के अनुसार, कमजोर मांग की मुख्य वजह नरम निर्यात और धीमी वेतन वृद्धि हैं। यह स्थिति दीर्घकालिक विकास के लिए जोखिम पैदा कर सकती है, क्योंकि आज की कमजोर मांग भविष्य में अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता को सीमित कर सकती है।रिपोर्ट में बताया गया कि विभिन्न क्षेत्रों में मांग का 10-वर्षीय चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर केवल लगभग 10 प्रतिशत रही है। बीते दस वर्षों में से सात वर्षों में मांग वृद्धि 10 प्रतिशत से नीचे रही, जबकि 2000 के दशक में कई वर्षों तक मांग करीब 20 प्रतिशत सीएजीआरकी दर से बढ़ी थी।रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक के कमजोर मांग चक्र ने कंपनियों के लिए पुनर्निवेश को जोखिम भरा बना दिया है। कोविड के बाद मांग में आई अस्थायी तेजी के चलते आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, क्विक सर्विस रेस्टोरेंट और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश किया गया। लेकिन मांग में यह उछाल टिकाऊ साबित नहीं हुआ, जिससे इन सेक्टरों में मुनाफा तेजी से गिरा। गलत निवेश निर्णयों और ऊंचे शेयर बाजार वैल्यूएशन के कारण कई शेयरों ने पिछले चार वर्षों में लगभग सपाट रिटर्न दिया है। यह स्थिति भी 2000 के दशक से अलग है, जब मजबूत मांग बढ़ती आपूर्ति को आसानी से समाहित कर लेती थी और कंपनियां मार्जिन बनाए रख पाती थीं।

प्रतिस्पर्धा बढ़ने से पारंपरिक बढ़त कमजोर: रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तकनीक में सुधार और पूंजी तक आसान पहुंच के चलते ब्रांड और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क जैसी पारंपरिक बढ़त कमजोर हो रही है। इसका असर एफएमसीजी और पेंट सेक्टर में पहले ही दिख चुका है, जहां ऊंचे मार्जिन बनाए रखना कठिन हो रहा है। नुवामा का मानना है कि ऊंचे वैल्यूएशन पर ऐसे सेक्टरों में मध्यम अवधि के शेयर रिटर्न कमजोर रह सकते हैं।

इन सेक्टरों में बढ़ रहा है जोखिम: नुवामा ने चेतावनी दी है कि बिजली, औद्योगिक क्षेत्र, अस्पताल, ऑटोमोबाइल और केबल व तार जैसे सेक्टरों में पुनर्निवेश का जोखिम बढ़ रहा है। बीते कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद अब इन क्षेत्रों में सप्लाई बढ़ रही है, मांग कमजोर हो रही है और मुनाफे के मार्जिन चरम पर पहुंच चुके हैं, जिससे आगे की ग्रोथ अधिक अनिश्चित होती जा रही है।

दनादन 3 ऑर्डर शक्ति पंप्स इंडिया की झोली में, 700 रुपये के पार शेयर के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी शक्ति पंप्स इंडिया के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। शक्ति पंप्स इंडिया के शेयर सोमवार को बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 729.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल दनादन 3 नए ऑर्डर मिलने के बाद आया है। पिछले 5 दिन में शक्ति पंप्स इंडिया के शेयरों में 30 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। शक्ति पंप्स इंडिया अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है। शक्ति पंप्स इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1398 रुपये है।

कंपनी को दनादन मिले हैं 3 ऑर्डर: शक्ति पंप्स इंडिया ने गुरुवार 11 दिसंबर को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसे महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से लेटर ऑफ एम्पैनलमेंट मिला है। यह ऑर्डर 16,025 ऑफ-ग्रिड डीसी सोलर फोटोवॉल्टिक वॉटर पंप्स की सप्लाई के लिए है। इस ऑर्डर की टोटल वैल्यू 443.78 करोड़ रुपये है। कंपनी ने शुक्रवार 12 दिसंबर को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसे झारखंड से दूसरा ऑर्डर मिला है। झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी ने 1200 सोलर वॉटर पंपिंग सिस्टम के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड दिया है। इस ऑर्डर की टोटल वैल्यू 23.98 करोड़ रुपये है। स्मॉलकैप कंपनी शक्ति पंप्स इंडिया को मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड से भी 2033 स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड डीसी सोलर फोटोवॉल्टिक वॉटर पंपिंग सिस्टम पंप्स के लिए वर्क ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की टोटल वैल्यू 71.25 करोड़ रुपये है।

1385 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं कंपनी के शेयर: शक्ति पंप्स इंडिया के शेयर पिछले पांच साल में 1385 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2020 को 48.85 रुपये पर थे।

1000 प्रतिशत रिटर्न वाले शेयर को 875 करोड़ का ऑर्डर, 6 दिन लगातार अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। एलाइटकॉन इंटरनेशनल के शेयर की कीमत सोमवार, 15 दिसंबर को 5 प्रतिशत के अपर सर्किट यानी 114.84 रुपये पर पहुंच गई। ऐसा तब हुआ, जब कंपनी ने एक बड़े लंबी अवधि के एक्सपोर्ट कांट्रैक्ट की घोषणा की। यह कांट्रैक्ट 97.35 मिलियन डॉलर यानी लगभग 875 करोड़ रुपये मूल्य का है। यह कंपनी के शेयर का लगातार छठा सत्र है जब यह 5 प्रतिशत के अपर सर्किट पर रहा।

कंपनी ने घोषणा की कि उसे यूवी इंटरनेशनल ट्रेड एफजेडई (यूएई स्थित कंपनी) से दो वर्ष की आपूर्ति का कांट्रैक्ट मिला है। इस समझौते में सिगरेट, प्रीमिक्स लेड, हुक्का तंबाकू, धूम्रपान मिश्रण और अन्य तंबाकू उत्पादों की आपूर्ति शामिल है। इस कांट्रैक्ट में एक वर्ष की लॉक-इन अवधि भी है और इसकी पूरी अवधि में निर्यात की मात्रा स्थिर रहेगी। कंपनी ने कहा कि यह सौदा क्षमता के उपयोग को बेहतर बनाने और विनिर्माण तथा रसद की योजना को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा। यह मध्य पूर्वी बाजारों में एलाइटकॉन की स्थिति भी मजबूत करेगा, जहां तंबाकू उत्पादों की मांग लगातार बनी हुई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक विपिन शर्मा ने कहा कि यह लंबे समय के लिए ऑर्डर कंपनी के उत्पादों की वैश्विक मांग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह कांट्रैक्ट कंपनी को निर्यात की दृश्यता प्रदान करता है।

के. वी. टॉयज इंडिया की बाजार में धमाकेदार शुरुआत

पहले ही दिन 300 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। खिलौने बनाने वाली कंपनी के. वी. टॉयज इंडिया की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। के. वी. टॉयज इंडिया के शेयर सोमवार को बीएसई में 33 पर्सेंट से अधिक के फायदे के साथ 320 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओमें के. वी. टॉयज इंडिया के शेयर का दाम 239 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 8 दिसंबर 2025 को खुला था और यह 10 दिसंबर तक ओपन रहा। के. वी. टॉयज इंडिया के आईपीओ का टोटल साइज 40.15 करोड़ रुपये तक का था।

लिस्टिंग के बाद लुढ़क गए शेयर: जबरदस्त लिस्टिंग के बाद खिलौना कंपनी के. वी. टॉयज इंडिया के शेयर लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट टूटकर 304 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, आईपीओ प्राइस से के. वी. टॉयज इंडिया के शेयर 27 पर्सेंट से ज्यादा ऊपर हैं। के. वी. टॉयज इंडिया की शुरुआत साल 2009 में हुई है। कंपनी बच्चों के लिए प्लास्टिक मोल्डेड और मेटल बेस्ड खिलौनों की मैन्युफैक्चरिंग और सेल करती है। के. वी. टॉयज इंडिया एजुकेशनल और रीक्रिएशनल दोनों सेगमेंट्स को कवर करती है। कंपनी पोर्टफोलियो में फ्रिक्शन-पावर्ड टॉयज, सॉफ्ट बुलेट गन्स, ब्लास्टर टॉयज, पुलबैक टॉयज, बैटरी-ऑपरेटेड एंड इलेक्ट्रॉनिक टॉयज, प्रेस-एंड-गो टॉयज, डाई-कॉस्ट मेटल व्हीकल्स, बबल टॉयज, डॉल्स शामिल हैं।

352 गुना सब्सक्राइब हुआ था कंपनी का आईपीओ : के. वी. टॉयज इंडिया का आईपीओ टोटल 352.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 376.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (गैर-संस्थागत निवेशकों) कैटेगरी में 505.19 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। के. वी. टॉयज इंडिया के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 193.25 गुना दांव लगा। के. वी. टॉयज इंडिया के आईपीओ में आम निवेशक 2 लॉट के लिए ही दांव लगा सकते थे। आईपीओ के 2 लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, आम निवेशकों को के. वी. टॉयज इंडिया के आईपीओ में 2,86,800 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

6वीं बार बोनस शेयर देने की तैयारी में जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच बार निवेशकों को बोनस शेयर दे चुकी कंपनी जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड एक बार फिर से चर्चा में है। कंपनी 6वीं बार बोनस शेयर देने की तैयारी में है। इसके लिए एक्सचेंज को जानकारी दे दी गई है। इस खबर के सामने आने के बाद सोमवार यानी आज जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड के शेयरों की तगड़ी खरीदारी चालू हो गई है। शुरुआती कारोबार में स्टॉक 12 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 8.25 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। यह स्थिति तब है जब शेयर बाजार आज सुबह गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। बता दें, सोमवार की सुबह बीएसई में जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड का शेयर बीएसई में 7.69 रुपये के लेवल पर खुला था।

किस दिन है बोर्ड की मीटिंग: 13 दिसंबर को कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा कि 18 दिसंबर को बोर्ड की मीटिंग है। इस मीटिंग के एजेंडा में बोनस शेयर पर फैसला भी शामिल है। अगर जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड के बोर्ड ने बोनस शेयर देने के लिए सहमति दी। तब कंपनी 6वीं बार एक्सचेंज में एक्स-बोनस ट्रेड करेगी।

कब-कब बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी: इस पेनी स्टॉक ने पहली बार निवेशकों को 2025 में बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी की तरफ से 25 शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया था। दूसरी बार कंपनी ने 2021 में बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी की तरफ से 37 शेयर पर 5 शेयर बोनस दिया गया था। 2022 में कंपनी ने 23 शेयर पर 4 शेयर योग्य निवेशकों को बोनस दिया था। 2023 में जोंजुआ ओवरसिज लिमिटेड ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर बांटे थे। बता दें, आखिरी बार कंपनी 28 जुलाई 2025 को एक्स-बोनस ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को 20 शेयर पर 1 शेयर फ्री मिला था।

रिलायंस की नजर एग्रो फूड्स कंपनी पर, टाटा, आईडी फ्रेश, एमटीआर को टक्कर देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के उपभोक्ता उत्पाद विभाग ने उदयम एग्रो फूड्स नामक कंपनी में बहुमत हिस्सेदारी खरीदने के लिए चर्चा शुरू कर दी है। उदयम एग्रो फूड्स एक अनलिस्टेड निजी कंपनी है, जो स्टेपल्स, नमकीन और रेडी-टू-कुक नाश्ता मिक्स बनाती है और इसका कारोबार लगभग 668 करोड़ रुपये का है। सौदे के आकार के बारे में अभी कुछ खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन एक अधिकारी के मुताबिक यह एक मध्यम आकार का सौदा होगा, जैसा कि रिलायंस ने कैम्पा सॉफ्ट ड्रिंक और वेलवेट शैंपू के मामले में किया था। इसका उद्देश्य पहले क्षेत्रीय बाजारों में पैठ बनाना और फिर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करना है। चेन्नई स्थित उदयम कंपनी क्षेत्रीय बाजारों में टाटा कंस्यूमर प्रोडक्ट्स, आईडी फ्रेश फूड और एमटीआर जैसी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करती है। इस सौदे के बाद कंपनी के प्रमोटर एस सुधाकर और एस दिनकर कंपनी में अल्पमत हिस्सेदारी धारक के रूप में बने रहेंगे। उदयमएग्रो फूड्स को इसी साल जुलाई में इसकी मूल कंपनी श्री लक्ष्मी एग्रो फूड्स ने एक अनलिस्टेड निजी इकाई के रूप में शामिल किया था। यह अपडेट ऐसे समय में सामने आया है, जब रिलायंस रिटेल ने हाल ही में अपने एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) व्यवसाय को न्यू रिलायंस कंस्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड नामक एक नई कंपनी में स्थानांतरित कर दिया है। यह नई कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की सीधी सहायक कंपनी है और इसका गठन 1 दिसंबर से प्रभावी एक समग्र योजना के तहत किया गया है।

सिंगापुर सरकार के बड़े फैसले, प्रवासी कामगारों के जीवन स्तर में होगा सुधार; मिलेंगी कई सुविधाएं

सिंगापुर सिटी , एजेंसी। सिंगापुर ने प्रवासी श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए नई योजनाओं का एलान किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दिवस के मौके पर सरकार ने कहा कि विदेशी कामगारों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और खेल व मनोरंजन से जुड़ी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया गया है, क्योंकि प्रवासी श्रमिक सिंगापुर के अरबों डॉलर के विकास कार्यों में अहम भूमिका निभाते हैं।

मानव संसाधन मंत्री टैन सी लेंग ने कहा कि सिंगापुर की प्रगति और सफलता में प्रवासी समुदाय का बड़ा योगदान है। उन्होंने घरेलू कामगारों समेत सभी प्रवासी श्रमिकों का धन्यवाद किया, जिन्होंने देश के निर्माण और लोगों की देखभाल में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को अब बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंग्रेजी और डिजिटल साक्षरता जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होंगे।

सिंगापुर में 10 लाख से ज्यादा प्रवासी श्रमिक काम करते हैं, जिनमें भारत, चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया से सबसे ज्यादा हैं। ये श्रमिक निर्माण, शिपयार्ड और अन्य श्रम-प्रधान क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद 2021 में शुरू की गई योजना के तहत आवास, स्वास्थ्य और मनोरंजन के क्षेत्र में काफी सुधार हुआ है। मंत्री ने यह भी कहा कि 2025 का अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दिवस सिंगापुर की आजादी के 60 साल पूरे होने (एसजी60) के जश्न का हिस्सा होगा। उन्होंने घोषणा की कि प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल योजना के तहत और क्लीनिक जोड़े जाएंगे, जिससे प्रवासी श्रमिकों को इलाज के लिए कम दूरी तय करनी पड़ेगी और जल्दी मदद मिल सकेगी।

जेफ बेजोस बने दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल देखने को मिल रही है। लैरी एलिसन की अरबपति नंबर 2 की कुर्सी छिनने के बाद उनकी संपत्ति में लगातार गिरावट जारी है। अब एलिसन अमीरों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए हैं। जेफ बेजोस दुनिया के तीसरे सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में दूसरे नंबर पर लैरी पेज डटे हुए हैं। टेस्ला के एलन मस्क पहले नंबर पर काबिज हैं। भारत के मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। अडानी अब भी वह 20वें स्थान पर हैं।

इस साल के सबसे बड़े गेनर्स अब लैरी पेज हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उनकी दौलत में इस साल अबतक 97.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं, दूसरे नंबर पर सर्गेई ब्रिन हैं, जिनकी दौलत इस साल 89 अरब डॉलर बढ़ी है। लैरी एलिसन की कमाई अब केवल 50 अरब डॉलर रह गई है।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क अभी भी दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। उनकी कुल संपत्ति 470 अरब डॉलर है और इसमें शुक्रवार को 8.67 अरब डॉलर का इजाफा हुआ।

लैरी एलिसन को गुरुवार को 14.9 अरब डॉलर का बड़ा झटका लगा। अब 243 अरब डॉलर के साथ एलिसन दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति लैरी पेज को शुक्रवार को 2.36 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और इनकी कुल संपत्ति 266 अरब डॉलर रह गई है।

वहीं अमेजन के जेफ बेजोस की संपत्ति 3.46 अरब डॉलर गिरकर 249 अरब डॉलर रह गई। इसके बावजूद उन्हें 2 पायदान का फायदा हुआ है। बेजोस अब 5वें से तीसे स्थान पर हैं। सर्गेई ब्रिन की दौलत में 2.17 अरब डॉलर की गिरावट हुई और अब उनके पास 266 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। ये ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में चौथे स्थान पर आ गए हैं।

मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में 2.88 डॉलर की गिरावट हुई। अब इनका नेटवर्थ 228 अरब डॉलर हो गया है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में जुकरबर्ग छठे स्थान पर हैं। सातवें स्थान पर फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट हैं। इनकी संपत्ति में मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ और उनके पास 202 अरब डॉलर का नेटवर्थ है।

स्टीव बाल्मर ने 1.61 अरब डॉलर गंवाए। इनका नेटवर्थ अब 167 अरब डॉलर हो गया है। ये 8वें पोजीशन पर हैं।

एनवीडिया के मालिक जेनसेंग हुआंग को 5.07 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अब इनके पास 152 अरब डॉलर की संपत्ति है और ये दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 9वें पायदान पर आ गए हैं।

डेल टॉप-10 से बाहर: वॉरेन बफे ने माइकल डेल को टॉप-10 से बाहर कर दिया है। बफे की दौलत में 1.14 अरब डॉलर का इजाफा होने से वह टॉप-10 में शामिल हो गए हैं। अब 150 अरब डॉलर के साथ 10वें स्थान पर हैं। जबकि, माइकल डेल को शुक्रवार को 9.95 अरब डॉलर का झटका लगा और उनकी संपत्ति 143 अरब डॉलर रह गई है। अब वह 11वें स्थान पर हैं।

रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर 8 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में आज सोमवार को 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह एक बड़ी खबर को माना जा रहा है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 4.2 करोड़ शेयर या 15.25 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीद और बिक्री हुई है। इस शेयरों की खरीद-बिक्री की कीमत 290 करोड़ रुपये है। इसे कई ट्रांजैक्शन में पूरा किया गया है। बता दें, अभी शेयरों को खरीदने और बेचने वाला का नाम बाहर नहीं आया है।

बीएसई में आज सोमवार को जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर 69.50 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 76 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

रेखा झुनझुनवाला के पास कितना शेयर: जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में रेखा झुनझुनवाला की कुल हिस्सेदारी 7.20 प्रतिशत हिस्सा है। सितंबर की शेयरहोल्डिंग के अनुसार रेखा झुनझुनवाला के पास 20099400 शेयर थे। बता दें, इस कंपनी में प्रमोटर्स की कुल हिस्सेदारी 51.73 प्रतिशत और पब्लिक के पास 48.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक महीने में कंपनी का शेयर करीब 2 प्रतिशत टूट चुका है। वहीं, 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 37 प्रतिशत गिरा है। एक साल में जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी का 52 वीक हाई 127.20 रुपये और 52 वीक लो लेवल 60.80 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2065 करोड़ रुपये का है। 5 साल में जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 45 प्रतिशत की तेजी आई है।

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एक्टिविटी

फ्यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों में कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सके। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में वो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ यागासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन में सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख में स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

स्टाइलिश दिखने के लिए सेलेब्रिटी लुक्स को करें री-क्रिएट

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से ही सूट के डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक्स को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। वहीं इसमें आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। बदलते फैशन के दौर में आपको और खासकर गर्मी के मौसम में हम स्किन फ्रेंडली फैब्रिक और डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं।ज्यादातर ऑफिस जाने के लिए हम सिंपल और मिनिमल डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं ऑफिस में पहनने के लिए सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन लुक्स को आकर्षक बनाने के कुछ आसान टिप्स

ए-लाइन सूट

खासकर प्लस साइज इस तरह की स्ट्रैट फिटिंग वाले सलवार-सूट को पहनना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए यह आपकी बॉडी को फ्लेयर के साथ परफेक्ट और स्लिम लुक देने में सहायता करते हैं। बदलते दौर में इस तरह में आजकल घुटने तक और फ्लोर लेंथ सूट को पसंद किया जा रहा है।

लूज डिजाइन सूट

आजकल पाकिस्तानी स्टाइल लूज डिजाइन के सलवार-कमीज काफी चलन में हैं। इसमें आपको धोती व एंकल लेंथ वाली पैन्ट्स के साथ में कई डिजाइन के सूट देखने को मिल जाएंगे। आजकल की बात करें तो इसमें आलिया कट और नायरा कट सूट के डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है।

अंगरखा डिजाइन सूट

फैंसी लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह के फ्रंट डोरी यानी अंगरखा डिजाइन के सूट को वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आजकल फ्लोर टच लेंथ को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है। वहीं डोरी को हैवी और फैंसी लुक देने के लिए आप इसमें लटकन भी लगवा सकती हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटाने के लिए कर सकते हैं इन तरीकों का इस्तेमाल

AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो-एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है। इससे बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटा सकते हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम कराने के लिए कई बार हमें लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, बिना लाइन में खड़े हुए भी आप बैंक से जुड़े किसी भी काम को सिर्फ आधार कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम = बैंकों की लंबी लाइन से मिलेगी आजादी

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों में खास तौर से फायदेमंद है, जहां बैंक शाखाएं कम हैं और लोगों को बुनियादी बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइन खड़ी करनी पड़ती हैं। यह एक डिजिटल लेन-देन प्रणाली है, जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करके वित्तीय लेन-देन की सुविधा देती है। AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफ़िकेशन करके, माइक्रो एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है।

AePS क्या है?

AePS एक बैंक-आधारित मॉडल है, जो आधार कार्ड और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करके कस्टमर को अलग-अलग बैंकिंग लेनदेन करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि आपको बैंक शाखा में जाने या एटीएम का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाकर लेनदेन कर सकते हैं।

AePS की खासियत

- यह आधार कार्डधारकों को आसानी से लेनदेन शुरू करने और खत्म करने की सुविधा देता है।
- यह बैंकों को अपने शाखा नेटवर्क से बाहर के ग्राहकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करता है।
- यह वंचित क्षेत्रों में बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में मददगार है।
- यह सरकारी हकदारियों, जैसे कि मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और विकलांग वृद्धावस्था पेंशन का वितरण भी करता है।

इस्तेमाल कैसे करें

- AePS का इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक करें। फिर, अपने बैंक से संपर्क करके बताएं कि आप AePS का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भुगतानकर्ता या लाभार्थी के पास AePS होना जरूरी नहीं है।
- किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाएं। अपना आधार कार्ड दर्ज करें। अपनी बायोमेट्रिक जानकारी (आमतौर पर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन) प्रदान करें। लेनदेन का प्रकार चुनें (जैसे नकद निकासी, फंड ट्रांसफर)। जरूरी जानकारी दर्ज करें (जैसे राशि, प्राप्तकर्ता का अकाउंट नंबर)। लेनदेन की पुष्टि करें।

क्या है के लाभ

- आधार कार्ड धारक अपने आधार-सक्षम बैंक खाते तक पहुंच सकते हैं।
- शेष राशि की जांच की जा सकती है।
- नकद निकासी की जा सकती है।
- पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं।
- जमा किए जा सकते हैं।
- विदेश में पैसा भेजा जा सकता है।
- बैंक से जुड़े दूसरे काम किए जा सकते हैं।
- किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के जरिए पीओएस (माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन लेन-देन किए जा सकते हैं।
- कैशलेस भुगतान और पैसे के लेनदेन को बढ़ावा मिलता है।
- AePS भारत में वित्तीय दर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान कर रहा है और उन्हें बैंक शाखाओं पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर रहा है। इसके जरिए, आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।

AePS के जरिए ये काम किए जा सकते हैं

नकद जमा, नकद निकासी, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट, आधार से आधार फंड ट्रांसफर।

प्रोडक्ट डिफेक्टिव निकलने पर भी हो सकता है स्कैम इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के साथ-साथ, खराब प्रोडक्ट या गलत प्रोडक्ट मिलने पर रिफंड या रिप्लेसमेंट के नाम पर स्कैम होने का खतरा भी बढ़ गया है। इन बातों का ध्यान रखें।

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के बाद डिलिवर हुए डिफेक्टिव प्रोडक्ट का कंपनी के कस्टमर केयर से कंप्लेंट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। या फिर सोशल मीडिया पर कंपनी को टैग कर के स्टोरी लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए, आपके साथ स्कैम हो सकता है। असल में जब कोई कस्टमर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट करता है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर के आपके साथ धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी से बढ़ोतरी के साथ, फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। प्रोडक्ट डिफेक्टिव यानी फॉल्टी प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर भी स्कैम हो रहे हैं, इसके लिए स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कैमर्स, फेक ब्रांड कस्टमर बनकर लोगों से बात करते हैं। फिर, ग्राहक को प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर मैसेज पर लिंक भेजते हैं। इस लिंक में ग्राहक से बैंक डिटेल्स भरवाई जाती हैं और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है।

रिफंड और रिकवरी घोटालों से बचने के लिए, इन बातों का ध्यान रखें –

गाइडलाइन के मुताबिक कभी भी बैंक ट्रांजैक्शन की डिटेल सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। इसके अलावा ब्रांड के ही कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर ही कंप्लेंट करें।

- अगर कंप्लेंट करने पर भी कार्रवाई न हो तो, कंज्यूमर फोरम में शिकायत करें।
- ऐसी किसी भी कार्रवाई के लिए मामले का निवारण न हो जाने तक कस्टमर और कंपनी के बीच बात रखें, गोपनीयता बनाए रखने से स्कैम होने का डर कम हो जाता है।
- अपनी खोई हुई रकम से ज़्यादा रकम का रिफंड चेक न जमा करें।
- कुछ घोटालेबाज कहेंगे कि उन्होंने चेक भुनाने, बकाया राशि अपने पास रखने और बाकी रकम लौटाने में गड़बड़ी की है। इससे अक्सर घोटाला हो सकता है।
- किसी बैंक को यह पता लगाने में कई हफ्ते लग सकते हैं कि उसके द्वारा क्लीयर किया गया चेक नकली था।
- इस बीच, अगर आप घोटालेबाज को पैसे लौटाते हैं, तो बैंक आपसे वह पैसा चुकाना चाहेगा।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर भी स्कैम होते हैं। ऐसे में, इन बातों का ध्यान रखें

- अनचाहे मैसेज
- अर्जेंट रिक्वेस्ट
- संदिग्ध लिंक
- निजी जानकारी के लिए रिक्वेस्ट
- सोर्स को वेरीफाई करें
- पर्सनल डिटेल्स साझा करने से बचें
- सेफ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित खरीदारी

- केवल पहचानें वेबसाइटों और विक्रेताओं से खरीदारी करें।
- खरीदने से पहले उत्पाद समीक्षाएं और रेटिंग जरूर पढ़ें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय, इस बात का ध्यान रखें कि वेबसाइट HTTPS सुरक्षित है।
- अपनी निजी जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतें, किसी भी विक्रेता के साथ अपनी बैंक अकाउंट जानकारी या अन्य जानकारी शेयर करने से पहले सावधान रहें।
- अगर कोई ऑफर या छूट बहुत अच्छी लगती है, तो कई बार यह सच नहीं भी होता है।
- अपने बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को नियमित तौर पर जांचें और किसी भी अनऑथराइज्ड लेनदेन की रिपोर्ट करें।

भारत पहली बार स्क्वॉश वर्ल्ड कप चैंपियन बना

हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर , मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड, पीएम ने भी बधाई दी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेले गए स्क्वॉश वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय मिक्स्ड टीम ने हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर इतिहास रच दिया। यह मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में ब्रॉन्ज मेडल रहा था। इस टूर्नामेंट में 12 टीमों ने शॉर्ट और फास्ट फॉर्मेट में हिस्सा लिया। भारत ने सेमीफाइनल में मजबूत मानी जाने वाली मिस्र की टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से अंत तक बना रहा।

प्रधानमंत्री ने दी बधाई

प्रधानमंत्री ने स्क्वॉश वर्ल्ड कप जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एसडीएटी स्क्वॉश वर्ल्ड कप 2025 में पहली बार खिताब जीतकर भारतीय टीम ने इतिहास रचा है। उन्होंने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की मेहनत, समर्पण और दृढ़ निश्चय की सराहना की और कहा कि यह जीत देश के युवाओं में स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

जोशना चिनप्पा- हमें भरोसा था हम कर सकते हैं

मैच के बाद जोशना चिनप्पा ने कहा, टूर्नामेंट से पहले हम सभी को भरोसा था कि हम यह कर सकते हैं। सभी खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में थे। उन्होंने घरेलू दर्शकों के समर्थन को भी खास बताया और कहा कि उन्होंने अपने करियर में पहली बार इतने बड़े और जोशीले दर्शकों के सामने खेला।

2028 ओलिंपिक से पहले बड़ी उपलब्धि

स्क्वॉश को 2028 लॉस एंजेलिस ओलिंपिक में पहली बार शामिल किया जा रहा है। ऐसे में यह जीत युवा खिलाड़ियों अनाहत सिंह और अभय सिंह के साथ-साथ भारतीय स्क्वैश के लिए भी बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

जोशना चिनप्पा में जीत के साथ शुरुआत की

भारतीय टीम की अगुआई दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने की। फाइनल के पहले मुकाबले में जोशना ने हांगकांग की यी ली (वर्ल्ड नंबर-37) को 3-1 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को 3-0 से मात दी। निर्णायक मुकाबले में 17 साल की अनाहत सिंह ने टोमेटो हो को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम में जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह शामिल थे। मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में मौजूद रहे।

क्या आईपीएल ऑक्शन में टूटेगा ऋषभ पंत का रिकॉर्ड

10 टीमों के पास 237.55 करोड़, 77 स्लॉट ही खाली, कोलकाता-चेन्नई का पर्स सबसे बड़ा

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को दोपहर 2.30 बजे से अबू धाबी में शुरू होगा। 10 टीमों के पास 237.55 करोड़ रुपए का पर्स है। नीलामी में 350 प्लेयर्स उतरेंगे, लेकिन 77 ही बिक पाएंगे। क्योंकि टीमों में इतनी ही जगह खाली है। 40 प्लेयर्स की बेस प्राइस सबसे ज्यादा 2 करोड़ रुपए है, वहीं 227 प्लेयर्स की बेस प्राइस सबसे कम 30 लाख रुपए है। आईपीएल मिनी ऑक्शन में अक्सर टीमें कुछ खिलाड़ियों पर बहुत ज्यादा रकम खर्च कर देती हैं। इतिहास में 6 खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्हें टीमों ने 16 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत देकर खरीदा। वहीं ऑक्शन इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर ऋषभ पंत पिछले साल मेगा ऑक्शन में बिके। उन्हें 27 करोड़ रुपए में लखनऊ सुपरजायंट्स ने खरीदा था।

1390 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था

ऑक्शन के लिए दुनियाभर के 1390 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। हालांकि, टीमों ने इनमें से कुछ ही प्लेयर्स चुने और उन्हें खरीदने में इंटरेस्ट दिखाया। इसलिए ऑक्शन से पहले बीसीसीआई ने टॉप 350 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट कर लिया। इनका नाम ही कल की नीलामी में आएगा।

किस टीम में सबसे ज्यादा जगह खाली - कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में सबसे ज्यादा 13 प्लेयर्स की जगह खाली है। टीम ने 12 ही प्लेयर्स रिटेन किए, टीम ऑक्शन में 6 विदेशी प्लेयर्स को भी खरीदेगी। पंजाब किंग्स में सबसे कम 4 ही प्लेयर्स की जगह है, पिछली रनर-अप टीम ने 21 प्लेयर्स को रिटेन किया। एक टीम में 22 से 25 प्लेयर्स शामिल हो सकते हैं। पंजाब के बाद मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस में 5-5 प्लेयर्स की जगह खाली है।

केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है - सबसे कम प्लेयर्स को रिटेन करने वाली केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है, टीम 64.30 करोड़ रुपए लेकर नीलामी में आएगी। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पर्स में 43.40 करोड़ रुपए है। मुंबई के पर्स में सबसे कम 2.75 करोड़ रुपए है। आरसीबी, आरआर, पीबीकेएस और जीटी के पर्स में 11 से 17 करोड़ रुपए है। वहीं डीसी,एलएसजी और एसआरएच के पर्स में 21 से 26 करोड़ रुपए है।

173 प्लेयर्स को रिटेन - 10 टीमों ने 173 प्लेयर्स को रिटेन किया, इनमें से 45 विदेशी हैं। 10 टीमों में 250 प्लेयर्स शामिल हो सकते हैं, इनमें से 80 विदेशी रहना चाहिए। यानी नीलामी में खाली जगह तो 77 हैं, लेकिन इनमें से 25 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए हैं। यानी 52 भारतीय प्लेयर ही बिक पाएंगे।

हार्दिक पहले भारतीय, जिनके नाम 1000 रन और 100 विकेट

गिल 2025 के नंबर-1 बैटर, अभिषेक का तीसरी बार पहली बॉल पर सिक्स, रिकॉर्ड्स

तीसरे टी-20 के टॉप रिकॉर्ड

1. **हार्दिक 1000+ रन और 100+ विकेट लेने वाले पहले भारतीय** - हार्दिक पंड्या टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 1000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह मुकाम 1939 रन और 100 विकेट के साथ हासिल किया। हार्दिक से पहले सिर्फ विदेशी ऑलराउंडर शामिल थे, जिनमें शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा जैसे स्पिन ऑलराउंडर हैं।हार्दिक इस रिकॉर्ड में शामिल होने वाले पहले फास्ट बालिंग ऑलराउंडर भी हैं, जिससे उनकी यह उपलब्धि और भी खास है। साथ ही पंड्या टी-20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने। उनसे पहले अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह यह अचीवमेंट हासिल कर चुके हैं।
2. **शुभमन गिल साल के टॉप स्कोरर बने, शाई होप को पीछे छोड़ा** - भारतीय ओपनर शुभमन गिल इस साल के टॉप स्कोरर बन गए हैं। उनके साल 2025 में तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20 इंटरनेशनल) 1764 रन हो गए हैं। गिल ने वेस्टइंडीज के शाई होप के 1753 रन को पीछे छोड़ा। उन्होंने अपनी पारी का 18वां रन बनाकर यह माइल स्टोन हासिल किया। गिल ने भारतीय पारी के चौथे ओवर में मार्को यानसन की तीसरी बॉल पर चौका लगाया।
3. **अभिषेक ने तीसरी बार पहली बॉल पर सिक्स लगाया** - अभिषेक शर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल में तीसरी बार पारी की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा। इसके साथ ही वह ऐसा करने वाले इकलौते भारतीय बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले रोहित शर्मा, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल यह कारनामा एक-एक बार कर चुके हैं।
4. **चक्रवर्ती के 30 इनिंग में 50 विकेट पूरे** - वरुण चक्रवर्ती भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 30 पारियों में हासिल की। इस मामले में उनसे आगे केवल कुलदीप यादव हैं, जिन्होंने 29 पारियों में यह मुकाम छुआ था। गेंदों के लिहाज से भी वरुण का प्रदर्शन खास रहा है। उन्होंने 672 गेंदों में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस दौरान साउथ अफ्रीका के इमरान ताहिर (681 गेंदें) और अफगानिस्तान के राशिद खान (685 गेंदें) जैसे दिग्गज स्पिनर्स को पीछे छोड़ दिया। इस रिकॉर्ड में वरुण से आगे सिर्फ अजंथा मेंडिस, कुलदीप यादव और वनिंदू हसरंगा हैं।
5. **अर्शदीप के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट** - अर्शदीप सिंह टी-20 इंटरनेशनल के पावरप्ले ओवरों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। उन्होंने शुरुआती छह ओवरों में अब तक 48 विकेट चटकाए हैं और इस मामले में भुवनेश्वर कुमार (47 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। इस रिकॉर्ड में जसप्रीत बुमराह 33 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने पावरप्ले में 21-21 विकेट लिए हैं।
6. **डी कॉक 9वीं बार टी-20 में शून्य पर आउट** - क्विंटन डी कॉक टी-20 इंटरनेशनल में नौवीं बार शून्य पर आउट हुए। इस मामले में वे साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों में सबसे आगे हैं। उनके बाद एंडिले फेहलुकवायो और रीजा हेंड्रिक्स 7-7 बार डक पर आउट हो चुके हैं।

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत ने टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया। 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 15.5 ओवर में 7 विकेट से मैच जीता। साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 117 रन पर सिमट गई थी। धर्मशाला में हार्दिक ने पंड्या टी-20 इंटरनेशनल में 1000 से ज्यादा रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय बने।भारतीय ओपनर शुभमन गिल ने 28 रन बनाए। वे इस साल तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। अभिषेक शर्मा ने तीसरी बार पारी की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा। इसके अलावा वरुण चक्रवर्ती ने भी अपने 50 टी-20 इंटरनेशनल विकेट पूरे कर लिए।

मेसी को जय शाह ने टी-20 वर्ल्ड कप का टिकट दिया

टीम इंडिया की जर्सी और दिग्गज क्रिकेटर्स के ऑटोग्राफ वाला बैट भी गिफ्ट किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सोमवार को अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी का सम्मान किया गया। इस मौके पर

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप की इनविटेशनल टिकट और भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी भेंट की। इसके अलावा, शाह ने मेसी को दिग्गज क्रिकेटर्स के ऑटोग्राफ वाला बैट भी गिफ्ट किया। सम्मान समारोह के दौरान मेसी ने सबसे पहले हाथ हिलाकर स्टेडियम में मौजूद फैंस का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ किक मारकर दर्शकों की ओर फुटबॉल उछाली, जिसमें से एक किक सीधे स्टेडियम के दूसरे माले तक पहुंच गई। इस दौरान मेसी ने बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर माहौल को और यादगार बना दिया। इससे पहले स्टेडियम के बाहर मेसी की एक झलक पाने के लिए फैंस की भारी भीड़ जुटी रही। उन्हें सुबह ही राष्ट्रीय राजधानी पहुंचना था, लेकिन दिल्ली में घने कोहरे के कारण उनकी उड़ान को रोक दिया गया, जिसके चलते मेसी को मुंबई एयरपोर्ट पर ही कुछ समय तक रुकना पड़ा।

झज्जर के ओलिंपियन अमन सहरावत ने जीता स्वर्ण

आंख में चोट लगने पर भी डटा रहा, बोले-हार न मानने वाले विश्वास की वापसी

बहादुरगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुई सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता झज्जर के युवा पहलवान और पेरिस ओलिंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के लिए सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की वापसी की कहानी बन गई। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 61 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अमन ने यह साबित कर दिया कि असफलताएं अगर इंसान को तोड़ें नहीं, तो वही उसे मजबूत बनाती हैं।

यह जीत उनके लिए गर्व का क्षण -स्वर्ण पदक जीतने के बाद अमन सहरावत ने भावुक शब्दों में इंस्टाग्राम पर लिखा कि यह जीत उनके लिए गर्व का क्षण है। पिछले एक साल में गिरावट, असफलताओं और आत्म-संदेह के दौर से गुजरने के बाद यह पदक केवल एक जीत नहीं, बल्कि कभी हार न मानने वाले विश्वास की वापसी है। उन्होंने कहा कि जब हालात उनके खिलाफ थे, तब भी कुछ लोगों का भरोसा उनके साथ बना रहा और आज यह उपलब्धि उसी भरोसे का परिणाम है।

पांच तस्वीरें सांझा करते हुए लिखी पोस्ट - अमन ने सोशल मीडिया पर पांच तस्वीरों के साथ अपनी भावना सांझा करते हुए अपने सपोर्ट स्टाफ और साथियों का आभार जताया। उन्होंने लिखा कि सीनियर नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीतना मेरे लिए गर्व का क्षण है, और इस सफलता के लिए मैं सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

भारत ने रचा इतिहास

धर्मशाला टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

धर्मशाला (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20 इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा - इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी-20 जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टी 20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

एशेज टेस्ट-

तीसरे मैच के लिए इंग्लैंड टीम में बदलाव

गस एटकिंसन बाहर, जोश टंग को मौका, 17 दिसंबर को एडिलेड में खेला जाएगा मुकाबला

पर्थ (एजेंसी)। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछड़ रही इंग्लैंड टीम ने तीसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। एडिलेड में बुधवार से शुरू हो रहे इस अहम मुकाबले के लिए तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को बाहर कर उनकी जगह जोश टंग को टीम में शामिल किया है।

गस एटकिंसन को दो मैचों में मिले केवल 3 विकेट - गस एटकिंसन पहले दो टेस्ट में खास असर नहीं छोड़ पाए थे। पर्थ और ब्रिस्बेन में खेले गए मुकाबलों में इंग्लैंड को आठ-आठ विकेट से हार झेलनी पड़ी, जहां एटकिंसन ने कुल 236 रन लुटाए और सिर्फ तीन विकेट ही ले सके। खराब प्रदर्शन के चलते टीम मैनेजमेंट ने उन्हें बाहर करने का फैसला लिया। जोश टंग को इस सीरीज में खेलने का मौका दिया गया है और यह उनका सातवां टेस्ट होगा। वह अब इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स के साथ नजर आएंगे।

स्पिन विभाग में कोई बदलाव नहीं

-स्पिन विभाग में इंग्लैंड ने कोई बदलाव नहीं किया है। ऑफ स्पिनर विल जैक्स ने अपनी जगह बरकरार रखी है, जबकि शोएब बशीर को फिर मौका नहीं मिला। दौरे से पहले बशीर को इंग्लैंड का नंबर एक स्पिनर माना जा रहा था, लेकिन पर्थ में इंग्लैंड ने बिना स्पिनर के खेला। ब्रिसबेन टेस्ट में जैक्स को मौका मिला, जहां उन्होंने भले ही सिर्फ 11.3 ओवर गेंदबाजी की और 1 विकेट लेकर 34 रन दिए, लेकिन बल्लेबाजी में उन्होंने बेहतरीन संयम दिखाया। दूसरी पारी में जैक्स ने 41 रन की अहम पारी खेली और बेन स्टोक्स के साथ 96 रन की साझेदारी की।बल्लेबाजी क्रम में भी इंग्लैंड ने कोई बदलाव नहीं किया है। खराब फॉर्म से जूझ रहे ओली पोप ने नंबर तीन पर अपनी जगह बचा ली है। युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल को एक बार फिर इंतज़ार करना होगा।

सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 2-0 से आगे - फिलहाल पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 0-2 से पीछे है। पहले दो टेस्ट कुल मिलाकर सिर्फ छह दिनों में हार जाने के बाद टीम पर काफी दबाव है। ऐसे में एडिलेड टेस्ट इंग्लैंड के लिए 'करो या मरो' जैसा मुकाबला माना जा रहा है।

न्यूज डायरी

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर लोक भवन में दी श्रद्धांजलि

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सोमवार को यहां लोक भवन में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष, राज्यपाल के सचिव श्री डीके बेहेरा, आईएएस, राज्यपाल के एडीसी श्री शुभम सिंह, आईपीएस और लोक भवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि दी।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और देश के एकीकरण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए, माननीय राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा "उनके अटूट संकल्प ने एक विविध राष्ट्र को एक मजबूत गणतंत्र में एकजुट किया। एकता, अखंडता और निर्णायक नेतृत्व की उनकी विरासत हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी।"

सीएम विंडो की हर शिकायत जनता के विश्वास का प्रतीक, इसे जीवंत दस्तावेज मानकर हो ईमानदार समाधान: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सीएम विंडो पर दर्ज होने वाली प्रत्येक शिकायत केवल एक औपचारिक प्रविष्टि नहीं, बल्कि जनता के विश्वास का जीवंत दस्तावेज है। इससे जुड़े प्रबुद्धजनों की जिम्मेदारी है कि वे इन शिकायतों को पूरी ईमानदारी, विश्वास और पारदर्शिता के साथ देखकर उनके समाधान में सक्रिय योगदान दें। चूंकि ये प्रबुद्धजन सीधे मुख्यमंत्री से जुड़े हैं, इसलिए जनता के प्रति उनकी जवाबदेही और भी अधिक बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री सोमवार को अपने निवास स्थान 'संत कबीर कुटीर' में प्रदेश के सभी जिलों से आए सीएम विंडो से जुड़े प्रबुद्धजनों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर सीएम विंडो को ऐसा सशक्त और भरोसेमंद सिस्टम बनाना है, जिस पर हर नागरिक को गर्व हो और उसे यह विश्वास हो कि उसकी शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी समाधान निश्चित रूप से होगा। इस विश्वास के कायम रहने से प्रशासनिक तंत्र भी और अधिक निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 25 दिसंबर, 2014 को सीएम विंडो पोर्टल की शुरुआत की गई थी। अब तक इस पोर्टल पर कुल 14 लाख 82 हजार 924 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 14 लाख 12 हजार 136 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार जनसमस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि जब कोई नागरिक सीएम विंडो पर अपनी समस्या दर्ज करता है, तो वह केवल शिकायत नहीं लिखता, बल्कि अपने मुख्यमंत्री और सरकार पर भरोसा जताता है। इसलिए इस मजबूत मंच का पारदर्शी और संवेदनशील होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि जनता का यह भरोसा और अधिक सुदृढ़ हो सके।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि जिला स्तर पर शिकायतों के प्रभावी निपटारे के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेशभर में आयोजित इन शिविरों में अब तक 1 लाख 47 हजार 299 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 1 लाख 19 हजार 597 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष शिकायतों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सीएम विंडो से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक शिकायत की गहन जांच करें और निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से समाधान सुनिश्चित कर शिकायतकर्ता का विश्वास जीतें।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता, महामंत्री श्री सुरेंद्र पूनिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

आजादी के आंदोलन में भी मीडिया की रही अहम भूमिका: आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आजादी के आंदोलन में भी मीडिया की अहम् भूमिका रही है। आज सूचना के अनेक माध्यम हैं, लेकिन फिर भी लोगों का प्रिंट मीडिया पर विश्वास है, यह विश्वास ही प्रिंट मीडिया की सबसे बड़ी पूंजी है।

स्वास्थ्य मंत्री आज चंडीगढ़ में 'द कन्फेडरशन ऑफ़ न्यूज़पेपर एंड न्यूज़ एजेंसी एम्पलॉयज' ऑर्गेनाइजेशन की 'ऑल इंडिया मीडिया मीट' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी।

उन्होंने मीडिया को समाज का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में प्रिंट मीडिया ने सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस किया और जनता की आवाज़ बनकर खड़ा हुआ। यही कारण है कि प्रिंट मीडिया का महत्व केवल खबरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने समाज को सोचने, समझने और सही-गलत में फर्क करने की दृष्टि भी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रिंट मीडिया का महत्व बताते हुए कहा कि जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विस्तार हुआ, विशेषकर टेलीविजन के माध्यम से खबरें घर-घर तक पहुँचने लगीं, तब यह माना जाने लगा कि अब प्रिंट मीडिया का प्रभाव कम हो जाएगा। लोगों को लगा कि तेज़ गति, दृश्य प्रभाव और लाइव रिपोर्टिंग के कारण टीवी समाचार पत्रों की जगह ले लेगा। उस समय कई विशेषज्ञों ने यह भी भविष्यवाणी की कि आने वाले वर्षों में अख़बार इतिहास बन जाएंगे। लेकिन समय ने यह साबित कर दिया कि ये आशंकाएँ पूरी तरह सही नहीं थीं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आगमन के बावजूद प्रिंट मीडिया की साख, विश्वसनीयता और गंभीरता बनी रही।

उन्होंने सोशल मीडिया का जिक्र करते हुए कहा कि इस डिजिटल बूम के समय में एक बार फिर यह सवाल उठा कि क्या अब प्रिंट मीडिया की भूमिका सीमित हो जाएगी? मगर सच्चाई यह है कि सोशल मीडिया के उभार के साथ-साथ प्रिंट मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। आज जब कोई बड़ी घटना घटती है, तो लोग सोशल मीडिया पर सबसे पहले उसकी चर्चा जरूर करते हैं, लेकिन अंतिम विश्वास वे अब भी प्रिंट मीडिया या विश्वसनीय समाचार स्रोतों पर ही करते हैं।

किसान सेवा अपनाते हुए प्रदेश की मंडियों को बनाएं रॉल मॉडल - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

- **आधुनिक, पारदर्शी और किसान हितैषी मंडी व्यवस्था बनाएं**
- **फसल खरीद के लिए 12 लाख किसानों के खातों में 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले**

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान सेवा को पर्याय बनाते हुए प्रदेश की मंडियों को ऐसा मॉडल बनाएं जिसका अनुसरण पूरा देश करे। इसके अलावा मंडी शुल्क वसूली, व्यवहार में शत-प्रतिशत ईमानदारी बरतें और किसानों का विश्वास बनाएं। इसके साथ ही मंडियों को देश की सबसे आधुनिक, पारदर्शी और किसान हितैषी मंडी व्यवस्था बनाई जाए।

मुख्यमंत्री मार्केटिंग बोर्ड के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मार्केट कमेटियों के चेयरमैन एवं वाईस चेयरमैन के अलावा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनियां, डॉ. अर्चना गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी बी भारती सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केटिंग बोर्ड के पदाधिकारियों की नींव अन्नदाता की समृद्धि और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती टिकी हुई है। मंडी व्यवस्था किसानों के पसीने की कमाई को सही मूल्य और सम्मान दिलाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है जिससे किसान सशक्त होगा तो हरियाणा प्रदेश सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटियां सिर्फ सरकारी दफ्तर नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के शक्ति केंद्र हैं। इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी मंडियों का उचित प्रबंधन करना है। साथ ही, किसान और व्यापारी के आपसी संबंधों को ओर अधिक विश्वसनीय व मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि मंडियों में ऐसी व्यवस्था बनाना है जहां किसान को उपज लाते ही सही माप, मूल्य और समय पर भुगतान मिले और व्यापारी को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और व्यापार करने का बेहतर वातावरण मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटियों ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल क्रांति को अपनाने में सराहनीय कार्य किया है। ई-खरीद और डी.बी.टी. को सफलतापूर्वक सुनिश्चित किया है ताकि, किसान के खाते में उसकी फसल का पैसा सीधे और समय पर पहुंचे। बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर, किसानों को उसकी मेहनत का पूरा हक दिलवाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गेट पास जारी करने से लेकर मंडी शुल्क की वसूली तक हर प्रक्रिया को पूर्ण रूप से डिजिटल बनाना होगा, ताकि कार्य में पारदर्शिता बनी रहे। भ्रष्टाचार की जड़ें काटने के लिए हमें और अधिक टेक्नोलॉजी को अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन-2024 से किसानों की फसल खरीद का पैसा फसल का गेट पास कटने के 48 घंटे के अन्दर डी.बी.टी. के माध्यम से दे दिया जा रहा है। प्रदेश भर की मंडियों में शेड, पीने का पानी, शौचालय और किसानों के लिए विश्राम गृह जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का काम तेजी से हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फल-सब्जी उत्पादक किसानों के लिए फार्म-गेट के पास कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटियों के पदाधिकारी अपने क्षेत्र में पी.पी.पी. मॉडल के तहत कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के प्रस्तावों को प्राथमिकता दें। मंडियों तक पहुंचने वाली सड़कों की मरम्मत और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएं ताकि, किसानों को मंडियों में अपनी उपज लाने में कोई परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटी के कर्मचारियों की कार्यशैली और व्यवस्थाएं मंडी व्यवस्था का असली चेहरा होता है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि मार्केट कमेटी के कर्मचारी किसान के प्रति संवेदनशील हों। उन्हें नवीनतम सरकारी नीतियों, ई-पोर्टल के उपयोग और किसान से विनम्र संवाद करने का उचित प्रशिक्षण दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित मंडी, खुशहाल किसान नामक नई पहल शुरू की जाए। इससे किसान को पारंपरिक फसलों के अलावा मंडियों में फल और सब्जियों के लिए अलग सेक्शन को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि हर मंडी में किसान सहायता केंद्र स्थापित करें, जहां शिकायतें तुरंत दर्ज हों और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करें ताकि किसान को किसी भी शिकायत के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटियों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा को अपनाना चाहिए। इससे बिजली का बिल कम होगा और पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान दिया जा सकेगा। इसके अलावा हरित ऊर्जा को बढ़ावा दें और पानी की बर्बादी रोकने के लिए मंडियों में अनिवार्य रूप से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर को स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की उपज बेचने के लिए मंडियों में विशेष स्थान और प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह भविष्य की खेती है और इसे अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। महिला किसानों द्वारा लाई गई उपज को बेचने और महिला व्यापारियों के लिए मंडियों में सुरक्षित स्थान सुनिश्चित करें और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में स्वच्छता बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए मंडियों में नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साफ-सुथरी मंडी व्यापार और स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहतर है।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में थापली स्कूल में पेयजल समस्या पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को तुरंत पेयजल व्यवस्था करने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय सभागार में समाधान शिविर में आज राजकीय माध्यमिक स्कूल थापली में पेयजल समस्या पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को स्कूल में पेयजल व्यवस्था तुरंत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त समाधान शिविर में आज जिला के लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने जिलावासियों के 8 लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका निवारण करने के निर्देश दिए। लोगों की समस्याओं के समाधान में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं की मुख्यमंत्री स्वयं मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुडते भी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई जिलावासियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर व तय समय सीमा में समाधान करें।

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज का संदेश : कहा "एक साथ बैठो, गपशप करो और चाय का आनंद लो"

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर लोगों को संदेश देते हुए कहा कि लोगों को एक साथ बैठना चाहिए और बैठकर आपस में गपशप करनी चाहिए। सुविधा अनुसार अलग-अलग ग्रुपों में बैठकर चाय का आनंद भी अवश्य लेना चाहिए।

आज अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि वह

- **अम्बाला छावनी के सदर बाजार चौक पर 1970 से लगातार जारी है मंत्री अनिल विज का 'टी-प्वाइंट' सिलसिला**
- **सदर बाजार चौक पर अखबार पढ़ने से शुरू हुआ दोस्तों के साथ चाय पीने का सिलसिला : अनिल विज**

लगभग 1970 से अम्बाला छावनी के सदर बाजार चौक पर बैठ रहे हैं और तब से लेकर आज तक वह लगातार यहां आते हैं। चौक पर आकर शहर के सुख-दुख को अपने टी-प्वाइंट ग्रुप सदस्यों के साथ शेयर करते हैं तथा समाचार पत्रों का भी अवलोकन करते हैं।

उन्होंने बताया कि अंबाला छावनी के सदर चौक पर आने की शुरूआत इसलिए हुई क्योंकि शहर का यह मुख्य चौक है और इस चौक पर सारे अखबार सुबह आते हैं। वह अखबार पढ़ने के लिए यहां आते थे और वहीं से यह सिलसिला चला तथा अब यह टी-प्वाइंट बन गया है। पहले अखबार पढ़ने के साथ यहां सब मिलकर चाय पीते थे और बैठने का सिलसिला तभी से जारी है। मंत्री अनिल विज ने कहा कि एक साथ बैठकर चाय पीना और बातें करना यह अच्छी व स्वस्थ सोसाइटी के लिए जरूरी है। पहले लोग गलियों, पेड़ों के नीचे बैठते थे, मगर अब वो बंद करने से सामाजिक ढांचा कमजोर हुआ है। वहीं, आज अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिदिन की भांति सदर बाजार टी-प्वाइंट पर पहुंचे और अपने मित्रों के साथ चाय पी, इस दौरान उन्होंने चाय के साथ गीतों का भी आनंद लिया। गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज हर प्रातः सदर बाजार चौक पर अपने टी-प्वाइंट ग्रुप सदस्यों के साथ चाय पीकर अपनी दिनचर्या की शुरूआत करते हैं।

अनिल विज ने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ : कहा "जुग-जुग जिए हमारे प्रधानमंत्री, जिन्होंने देश की तस्वीर बदल दी"

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस की दिल्ली रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश विरोधी नारे लगाने पर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा अपने गिरते हुए स्तर का प्रदर्शन किया गया है। निराशा, हताश, फेल, थके हुए, हारे हुए लोग ही इस प्रकार की बातें करते हैं। वहीं,अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुआएं देते हुए कहा कि 'जुग-जुग जिए हमारे प्रधानमंत्री, जिन्होंने आज हिंदुस्तान की तस्वीर और सूरते हाल बदल दिया'।

आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, पूरे विश्व में नरेंद्र मोदी की वजह से देश की साख बड़ी है। विश्व में देश के साथ मधुर संबंध बने हैं। इनके (कांग्रेस) के प्रधानमंत्री मीटिंग में जाकर सो जाया करते थे, कभी बोला ही नहीं करते थे।

"वोट छापना" शब्दावली याद दिलाकर मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस को घेरा: बोले, ईवीएम के आने से कांग्रेस का धंधा बंद

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के बयान कि यदि बैलेट पेपर से चुनाव हो तो भाजपा को एक भी वोट न मिले, के बारे में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पलटवार करते हुए कहा कि जब मत पत्र से चुनाव होते थे हमने देखा हुआ है कि तब ये कैसे वोट छापते थे। उस दौरान चुनाव में एक शब्दावली थी "वोट छापना", मगर ईवीएम के आने के बाद इनका (कांग्रेस) वह काम बंद हो गया। ये बदमाशों को, माफिया को सेट करके उनसे वोट छपवाया करते थे, छापे जाते थे, तब चुनाव में यह शब्दावली थी। ईवीएम आने से वह खत्म हो गई और इनको ही पीड़ा हो रही है। ये उस दौरान वोट छापने से ही जीतते थे और उनके वोट छापने का धंधा बंद हो गया, इसलिए इस पीड़ा को लेकर कांग्रेस वाले बार-बार रो रहे हैं।

- **कांग्रेस रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारे लगाने पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज का तीखा हमला - बोले निराश, हताश, हारे हुए लोग ही ऐसी बातें करते हैं**

यूपी में 4 करोड़ वोट कटने पर मंत्री अनिल विज का वार: "कांग्रेस का जाली वोट तंत्र खत्म हो रहा है

एसआईआर के बाद उत्तर प्रदेश में लगभग 4 करोड़ वोट कट गए हैं जिस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जहां-जहां पर ठीक तरीके से एसआईआर होगा वहां जाली वोटो का तंत्र, जो कांग्रेस ने इतने सालों से बसा रखा था, वह खत्म होता जा रहा है। जाली वोट कांग्रेस ने बनाई थी, इतने वर्षों तक कांग्रेस ने जो राज किया, पता नहीं कौन कौन से भाग में कितनी वोट, इन्होंने बना रखी थी, आज वह वेरीफाई नहीं हो रही और इसलिए वह वोट कट रही है।

वहीं, कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के आरोप कि लोग अपनी जान बचाने के लिए मोटी रकम/ फिरौती कहां से दें, पर मंत्री अनिल विज ने पलटवार करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से सतर्क है और सरकार ने गलत आदमियों को पकड़ने के लिए बहुत बड़ी मुहिम चला रखी है। इस मुहिम के तहत लगभग साढ़े पांच हजार लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

'हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना-2025', 17 दिसम्बर तक भेजे जा सकेंगे नाम

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने अपने अभिनव कार्यों और असाधारण प्रयासों से बेहतर शासन में योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना, 2025' के लिए आवेदन मांगे हैं। सुशासन पुरस्कारों के आवेदन करने या नाम भेजने की तिथि बढ़ाकर 17 दिसम्बर, 2025 कर दी गई है। इसके बाद ऑनलाइन पोर्टल बदं हो जाएगा।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी एक पत्र में सभी प्रशासकीय सचिवों को सभी राज्य स्तरीय पुरस्कारों (राज्य फ्लैगशिप पुरस्कार और राज्य पुरस्कार) के लिए अनुशंसा अपनी टिप्पणी के साथ अपलोड करने के लिए कहा गया है।

राज्य फ्लैगशिप पुरस्कारों के अंतर्गत अधिकतम पांच पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक पुरस्कार में एक ट्रॉफी, हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र तथा नकद पुरस्कार शामिल होगा। प्रशस्ति पत्र की एक प्रति संबंधित प्रशासनिक सचिव के माध्यम से कर्मचारी की सेवा पुस्तिका में रखी जा सकती है। प्रत्येक फ्लैगशिप पुरस्कार के अंतर्गत प्रत्येक सदस्य को 51,000 की नकद राशि प्रदान की जाएगी। यदि पुरस्कार किसी समूह को दिया जाता है, तो समूह में अधिकतम चार सदस्य होंगे तथा सभी सदस्यों को पद या स्तर की परवाह किए बिना समान राशि दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त, राज्य स्तर पर अधिकतम पांच राज्य पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक राज्य पुरस्कार में एक ट्रॉफी, मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र तथा प्रति सदस्य 51,000 की नकद राशि शामिल होगी। समूह को दिए जाने वाले पुरस्कारों में भी अधिकतम चार सदस्य होंगे और सभी सदस्यों को समान राशि प्रदान की जाएगी।

जिला स्तर पर सुशासन पुरस्कार प्रत्येक जिले में जिला मुख्यालय पर उपायुक्त द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में पंचकूला में सैंड आर्ट शो का हुआ आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा गुरू गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आज दून पब्लिक स्कूल, सेक्टर -21 में सैंड आर्ट शो तथा जिला स्तरीय निंबध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एनएसबी प्रौडक्शन मुंबई की तरफ से आए कलाकार सर्वम पटेल ने रेत की कला के माध्यम से गुरू गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह के जीवन, धर्म की रक्षा और शौर्य को बेहतरीन ढंग से दिखाया।

सैंड आर्ट शो के माध्यम से दर्शाया गया कि कैसे श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने अपने जीवन में हिम्मत और सच्चाई दिखाकर सबको प्रेरणा दी। छोटे साहिबजादों का बलिदान हमें सिखाता है कि छोटी उम्र में भी बड़ी जिम्मेदारी निभाई जा सकती है।

हर विद्यार्थी हिम्मत और सत्यनिष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करे, अपने संस्कारों और मूल्यों को संरक्षित रखते हुए देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दे। सभी विद्यार्थी अपना जीवन निडर होकर, कठिनाइयों का सामना करते हुए जिएं क्योंकि साहस वही दिखाता है जो सच्चाई के लिए खड़ा होता है।

उल्लेखनीय है की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 से प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि पूरा देश इन शूरवीरों को हमेशा याद रखे। इस कड़ी में सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग ने विशेष पहल करते हुए गुरू गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादो के जीवन, धर्म की रक्षा और शौर्य को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरियाणा के सभी जिलों में सैंड आर्ट शो आयोजित करने का निर्णय लिया है। जिसके शुरुआत आज पंचकूला से हुई।

पंजाब लोक भवन में राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने पूर्व राज्यपाल श्री शिवराज पाटिल जी को की पुष्पांजलि अर्पित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री तथा पंजाब के पूर्व राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री शिवराज पाटिल जी के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शिवराज पाटिल जी का निधन 12 दिसंबर को हुआ था।

पंजाब लोक भवन में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि श्री शिवराज पाटिल जी के निधन से देश ने एक अनुभवी राजनेता, सक्षम प्रशासक और सम्मानित सांसद को खो दिया है। राज्यपाल ने कहा, "हम श्री शिवराज पाटिल जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।"

राज्यपाल ने कहा कि 12 अक्टूबर 1935 को जन्मे श्री पाटिल जी एक प्रतिष्ठित जननेता थे, जिन्होंने अपने दीर्घ और गौरवपूर्ण सार्वजनिक जीवन में अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं संसदीय पदों पर कार्य किया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक के रूप में राष्ट्र की महत्वपूर्ण सेवा की तथा राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।

इस अवसर पर राज्यपाल के साथ पंजाब लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।